卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 217 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦18 मई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

हादसे में दो की मौत,तीन घायल

रामनगर हल्द्वानी मार्ग पर अज्ञात वाहन से कार की जबरदस्त भिड़ंत

रामनगर(उद संवाददाता)।शुक्रवार देर रात रामनगर हल्द्वानी मार्ग पर गैबुआ जबकि कार सवार तीन महिलाएं घायल हो गयी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर भेज दिया। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो

के समीप एक ऑल्टो कार और अज्ञात वाहन की आमने-सामने हुई जबरदस्त भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गयी पहुंचकर घायलों को रामनगर चिकित्सालय भेजा और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गया।जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की रात ऑल्टो कार हल्द्वानी से रामनगर की ओर आ रही थी (शेष पृष्ठ सात पर)

मां के सामने से मासूम को उठा ले गया गुलदार

श्रीनगर(उद संवाददाता)। गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित बॉयज हॉस्टल के समीप शुक्रवार रात एक घर के आंगन से गुलदार मां के सामने ही तीन वर्षीय मासूम बच्चे को उठा ले गया था। मासूम बालक का शव शनिवार सुबह घर से करीब 200 मीटर दूरी पर झाड़ियों में बरमाद किया गया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डांग क्षेत्र से सटे सिंदरीगाड़ के पास झोपड-पट्टी में रह रहा तीन वर्षीय सूरज पुत्र हरिद्वारी शुक्रवार रात घर के बाहर

आंगन में खेल रहा था, तभी पीछे से हमला कर गुलदार ने बच्चे को उठा लिया। बच्चे के परिजनों ने शोर मचाया लेकिन बच्चे का कुछ पता नहीं (शेष पृष्ठ सात पर)

प्रदेश में अभी नही होंगे निकाय चुनाव!

प्रदेश की दो विधानसभा मंगलौर और बद्रीनाथ में होने है उपचुनाव,पंचायतों का कार्यकाल भी अक्टूबर में हो रहा पूरा

देहरादून(उद संवाददाता)। पिछले कुछ दिनों से जून में निकाय चुनाव कराए जाने की संभावनाओं पर अब विराम लगता नजर आ रहा है। सूत्रों की माने तो प्रदेश में निकाय चुनाव अभी जल्दी में नही होने जा रहे और निकायों में नियुक्त प्रशासकों का कार्यकाल 2 जून से आगे बढ़ाए जाने की तैयारी की जा रही है।आपको बता दे कि पिछले साल दिसंबर से सभी नगर निकायों में कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रशासक तैनात हो गए थे। नियमानुसार यह प्रशासक दो जून यानी छह माह तक के

लिए ही तैनात हो सकते हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता छह जून तक लागू है। लिहाजा, निकाय चुनाव इससे पहले नहीं हो पायेंगे। सरकार प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में चुनाव से पहले प्रशासकों का कार्यकाल कुछ समय के लिए बढ़ाने का रास्ता तलाश रही है। इसके लिए विधिक राय ली जा रही है। निकाय चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण लागू करने, निकायों में परिसीमन, पदों का आरक्षण जारी करने आदि कार्यों के लिए कम से कम दो माह का समय चाहिए। छह जून को आचार संहिता खत्म होने के बाद ही इस पर काम आगे बढ़ सकेगा, लेकिन दो जून को प्रशासकों का कार्यकाल खत्म होने के चलते सरकार अब कुछ समय के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाना चाहती है। इसके पीछे निकायों में परिसीमन और आरक्षण की अभी तैयारी पूर्ण नही होने के साथ-साथ प्रदेश में मंगलौर और बद्रीनाथ दो विधानसभाओं पर उपचुनाव भी कराये जाने है जो सम्भवत: सितम्बर में होने है। इसके (शेष पृष्ठ सात पर)

आरक्षण की तस्वीर अभी नही हुई साफ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव भले अभी नही हो रहा मगर प्रदेश में निकाय सीटों पर आरक्षण को लेकर दावेदारों और आम जनता के बीच जिज्ञासा जोरो पर है। सोशल मीडिया पर कभी कोई सीट सामान्य तो कभी कोई आरक्षित होने के समाचार प्रतिदिन देखने और सुनने को मिल रहे है। मगर शासन स्तर पर प्रदेश के सभी नगर निगमों,नगर पालिकाओं और नगर पंचायत सीटों पर आरक्षण को लेकर अभी केवल मंथन ही चल रहा है और किसी भी सीट पर आरक्षण की तस्वीर साफ नही की गई है। आरक्षण

खुदाई के दौरान दीवार गिरने से वृद्ध की दबकर मौत

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। आपसदारी में मदद करने के लिए घर की कच्ची दीवार को ढहाने गए एक वृद्ध की दीवार गिरने से मौत हो गई। वृद्ध के दीवार के नीचे आने के बाद गृह स्वामी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय ग्राम मटिया देवकली निवासी जसवंत सिंह पुत्र मोढ़ सिंह घर ने घर की पुरानी दीवार गिराने के लिए मदद हेतु गांव के ही 70 वर्षीय पहलवान सिंह पुत्र माला सिंह को बुलाया था। बताया जा रहा है कि पहलवान सिंह नीचे से दीवार को खोखला कर रहा था तभी दीवार भरभराकर पहलवान सिंह के ऊपर गिर गई। जिससे दीवार के नीचे आने से पहलवान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से मौके पर हड़कम्प मच गया। वृद्ध के दीवार में दबने से घबराकर गृह स्वामी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष देवेन्द्र गौरव ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिला बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिला बार एसोसिएशन ऊधमसिंहनगर के उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति एवं प्रशासनिक न्यायाधीश उधमसिंहनगर जनपद न्यायाधीश माननीय सिकन्द कुमार त्यागी,बार काउंसिल ऑफ मौजूद रहे। जिला एवं सत्र न्यायायल रूद्रपुर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को आज एक समारोह कार्यक्रम में शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय आलोक वर्मा,विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल आशीष नैथानी,कार्यक्रम अध्यक्ष इण्डिया के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डीके शर्मा,वरिष्ठ अधिवक्ता एमपी तिवारी और वरिष्ठ अधिवक्ता महेन्द्र पाल में जिला बार एसोसिएशन ऊधमसिंहनगर के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष दिवाकर पाण्डे,(शेष पृष्ठ सात पर)

पीएसी कर्मी से 1.90 लाख की ऑनलाईन ठगी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कम्पनी से जुड़कर मुनाफा कमाने का लालच देकर अज्ञात व्यक्ति ने एक पीएसी कर्मी से 1.90 लाख की ऑन लाईन खोखाधड़ी कर ली। मामले की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में मोहित नगरकोटी पुत्र रमेश सिंह नगरकोटी निवासी 31वी वाहिनी पीएसी रुद्रपुर, ने कहा है कि उसे 24 अप्रैल 2024 को टेलीग्राम मे लक्ष्मी माधव यूकेई इज वर्क फ्राम होम का मैसेज आया। जिसे देखने (शेष पृष्ठ सात पर)

शराब की दुकान के खिलाफ दिनेशपुर की महिलाओं का आबकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। माँ बारही प्रोप्रटी फेस-1 कालीनगर, दिनेशपुर के मुख्य द्वार से बीयरबार मदीरा की भट्टी को स्थानान्तरित किये जाने की मांग को लेकर कालीनगर से आई दर्जनों महिलाओं व अन्य लोगों ने जिला आबकारी कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया तथा मांग को लेकर ज्ञापन सौपा। रोषित लोगों का कहना था कि माँ बारही प्रोप्रटी फेस 1 कालीनगर, दिनेशपुर के मुख्य द्वार पर मदिरा की भट्टी बीयरबार चल रही है। जोकि पूर्ण रूप से अनुचित

है। कालोनी में 40 परिवार निवासरत है। मुख्य द्वार पर मदिरा की भट्टी बीयरबार से यहां निवासरत समस्त परिवारों के बच्चों महिलाओं का घर से निकलना दु:खदायी हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य द्वारा पर (शेष पृष्ठ सात पर)

शिक्षक की पिटाई से छात्र हुआ बेहोश,पुलिस से कार्रवाई की मांग

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नगर के एक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक द्वारा छात्र की पिटाई कर देने से छात्र बेहोश हो गया। उसके परिजनों ने कोतवाली पुलिस से आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शिवनगर ट्रांजिट कैंप निवासी निशा सागर पत्नी सोनू ने तहरीर में कहा है कि उसका पुत्र 13 वर्षीय वीरा सागर जनता इंटर कॉलेज में क्लास सात में पढ़ाई करता है। पुत्र का क्लास टीचर पुत्र को बेवजह परेशान करता है। बोलता है अगर उसके पास

ट्यूशन नहीं पढ़ेगा तो तुझे फेल कर दूंगा। तेरी टीसी कटवा दूंगा। साथ ही जाति सूचक शब्दों का उपयोग किया। पुत्र को बुरी तरह डन्डे से मारा। (शेष पृष्ठ सात पर)

सीएम ने संभाला मोर्चा, यात्रियों ने ली राहत की सांस

सीएम धामी ने यात्रियों से की मुलाकात: चारोंधामों में सरकार समुचित व्यवस्था और सुविधा देगी,सहयोग करें तीर्थयात्री

बड़कोट/देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को व्यवस्थित बनाने के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को खुद मोर्चा संभाल लिया। दो दिन यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री अपने अफसरों से पहले स्वयं ग्राउंड जीरो पर उतर गए। पहली बार श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के दबाव का सामना कर रहे गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए सीएम ने बड़कोट पहुंचकर तीर्थयात्रियों से फीडबैक लिया। यात्रियों के बीच पहुंच कर उन्होंने उन्हें सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान पंजीकरण केंद्र में रोके गये कई योत्रियों को राहत देते हुए उन्हें दर्शन कराने की अनुमति देने के निर्देश दिया। वहीं बिना पंजीकरण के पहुंच चुके यात्रियों को भी दर्शन के लिए भेजने के निर्देया दिये है। उन्होंने कहा कि इस साल चारों धामों में दोगुने से अधिक यात्री पहुंचे हैं। भविष्य में यात्रियों की संख्या में होने वाली वृद्धि को देखते हुए उन्होंने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम को मास्टर प्लान के तहत विकसित करने की घोषणा की। कहा, अगले वर्ष से सरकार चारधाम यात्रा के प्रबंधन के लिए नियोजन और नियामक की व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा, चारोंधामों के लोगों से बात करने के बाद ही भीड़ को देखकर ही हरिद्वार और ऋषिकेश से यात्री आगे भेजे जाएंगे। बता दें, सरकार चारधाम यात्रा प्रबंधन प्राधिकरण के गठन पर भी विचार कर रही है। इससे पूर्व सीएम ने सचिवालय में चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों के जिलाधिकारियों से कई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सीएम ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को लगातार चारधाम यात्रा मार्गों पर अपने विभागों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को देखने विभागीय उच्चाधिकारियों मौके पर भेजने के निर्देश दिए। कहा, यात्रा व्यवस्थाओं में सभी अधिकारी चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों के जिलाधिकारी और एसपी का पूरा सहयोग करें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम ने यात्रियों के पड़ाव वाले स्थानों पर सभी मूलभूत सुविधाएं पेयजल, बिजली, शौचालय, खानपान और बच्चों के लिए दूध व अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। कहा, चारधाम पैदल मार्गों पर श्रद्धालुओं को पेयजल एवं अन्य सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। उन्होंने सचिव परिवहन को ताकीद किया कि वाहनों की फिटनेस पूरी तरह से चेक करने के बाद ही संचालन की अनुमति दी जाए। इसके लिए परिवहन विभाग की जवाबदेही तय की जाए। भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्कतानुसार वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की जाए और श्रद्धालुओं को इन मार्गों के बारे में जानकारी भी दी जाए। उन्होंने ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को फिलहाल स्थगित रखने के निर्देश दिए। सीएम बड़कोट में रुके वाहनों और बसों में चढ़कर तीर्थयात्रियों के बीच जा पहुंचे। उन्हें अचानक अपने बीच देख यात्री चौंक गए। उनमें कुछ यात्रियों ने सीएम के साथ सेल्फी के लिए आग्रह किया। श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच पहुंचकर सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया। अपने बीच प्रदेश के मुखिया को पाकर यात्री चकित रह गए। उत्साहित श्रद्धालुओं ने उनके समर्थन में नारे भी लगाए। राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात व अन्य प्रदेश से पहुंचे कई तीर्थयात्रियों ने सरकार की व्यवस्थाओं की तारीफ भी की। वहीं मीडिया से बातचीत में सीएम ने तीर्थयात्रियों को भरोसा दिया कि चारोंधामों में सरकार समुचित व्यवस्था और सुविधा देगी, लेकिन भीड़ बढ़ने पर सहयोग देना सभी का कर्तव्य बनता है। खासकर सरकार की एडवाइजरी का सख्ती से पालन करने पर किसी को भी अपरिहार्य दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा एवं यात्रा पंजीकरण का भी अनिवार्य रूप से पालन करने पर धामों पर सुगमता से पहुंचने पर सहूलियत होगी। सीएम धामी ने कहा कि चारोंधामों में पिछले वर्ष की तुलना में तीर्थयात्रियों की दोगुनी संख्या है। शुरुआत में ज्यादा भीड़ जुट गई थी, लेकिन अब यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। मैं काफी तीर्थयात्रियों से मिला हूं। हम चाहते हैं कि सभी तीर्थयात्री सुरक्षित और सुगम ढंग से धामों के दर्शन करें। शुरुआती दिनों में सभी से अपील कर रहा हूं कि बिना पंजीकरण के न आएं। गंगोत्री-यमुनोत्री के लिए हम मास्टर प्लान बनाएंगे। वहां चौड़े मार्गों, पार्किंग, पेयजल व अन्य सभी व्यवस्थाएं होंगी। चारधाम यात्रा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा को पूरे व्यवस्थित करने के लिए इसका नियोजन करेंगे।

रुद्रप्रयाग गौरीकुंड हाईवे पर चैकिंग शुरू होने से जाम में फंसे रहे सैकड़ों यात्रियों के वाहन

रूद्रप्रयाग। पुलिस ने बिना पंजीकरण के चारधाम यात्रा में आ रहे कई यात्री वाहनों को श्रीनगर से रुद्रप्रयाग के बीच कई जगह रोका। श्रीनगर में कलियासौड़ और फरासू में वाहन रोके गए। कोतवाली निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि वाहनों का अत्यधिक दबाव होने के चलते कुछ-कुछ समय के लिए रुद्रप्रयाग की ओर जाने वाले वाहनों को रोका गया। जिससे आगे लोगों को जाम में न फंसना पड़े। उधर, कई वाहनों को रैंतोली में बैरियर लगाकर लौटा दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे के नेतृत्व में यहां एक-एक वाहन की चेकिंग की गई। पुलिस अधीक्षक ने यात्रियों से पंजीकरण के बाद ही यात्रा में आने की अपील की। साथ ही स्पष्ट किया कि बिना पंजीकरण के किसी भी वाहन को जिले में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। शुक्रवार को ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर श्रीनगर से रुद्रप्रयाग के बीच कलियासौड़ और फरासू, स्वीत से फरासू और रैंतोली से जवाड़ी बाईपास तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम में यात्री वाहनों के साथ ही स्थानीय वाहन भी फंसे रहे, जिस कारण लोगों को खासी दिक्कत हुई। जाम को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने मोर्चा संभाला और रैंतोली पुलिस चौकी पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोक दिया। इसके बाद उन्होंने टीम के साथ वाहनों की चेकिंग शुरू की। इस दौरान कई यात्री वाहन बिना पंजीकरण के मिले, जिन्हें एसपी ने कड़ी फटकार लगाई गई और वापस लौटा दिया। दो घंटे की मशक्कत के बाद यहां व्यवस्था दुरुस्त हो पाई। इसके बाद वाहनों को केदारनाथ व बदरीनाथ के लिए रवाना किया गया। इस दौरान रुद्रप्रयाग- गौरीकुंड हाईवे पर तिलवाड़ा, काकड़ागाड़, नारायण कोटि, दगड़ूया बैरियर शेरसी में भी बैरियर के माध्यम से वाहनों का संचालन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि केदारनाथ यात्रा के सफल संचालन के लिए जिले में कई जगहों पर स्थायी व अस्थायी वाहन पार्किंग बनाई गई हैं। इन पार्किंग की एक सीमित क्षमता है, लेकिन पिछले कुछ दिन से यात्रा वाहनों की अधिकता के कारण जाम की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे निपटने के लिए जगह-जगह बैरियर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सोनप्रयाग पहुंच रहे यात्रियों को शटल के माध्यम से गौरीकुंड भेजा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बिना पंजीकरण वाले कई वाहन वापस भेजे गए हैं। आने वाले दिनों में भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी।

क्षमता से दोगुनी संख्या में उमड़ रही यात्रियों की भीड़

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों का आंकडा दो लाख के पार गंगोत्री और यमुनोत्री में लगा तांता, बद्रीनाथ में यात्रा धीमी

रूद्रप्रयाग/चमोली, उत्तरकाशी (उद संवाददाता)।। चारधाम यात्रा शुरू होने के एक ही हफ्ते में केदारनाथ धाम में इस वर्ष नया रिकॉर्ड बन गया है। कपाटोद्घाटन के आठ दिनों में ही धाम में दर्शनार्थियों का आंकडा दो लाख के पार हो गया है। पूरे दिनभर धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही है। धाम में हेलीपैड से मंदिर तक लंबी लाइन लगी रही। साथ ही पैदल मार्ग पर भी भक्तों का रेला उमड़ा रहा। धाम में कपाट खुलने के बाद से अभी तक कुल दर्शनार्थियों की संख्या दो लाख 17 हजार से अधिक हो गई है। बता दें कि कपाट्दोघाटन पर धाम में 29030 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जो यात्रा के इतिहास में नया रिकॉर्ड है। इसके बाद से भी धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। इसके बाद 11 मई को 22599 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। यात्रा के पहले सप्ताह में केदारनाथ में प्रतिदिन औसतन 26 हजार से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं। शुक्रवार को धाम में सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटी रही। चार बजे ही मंदिर परिसर सहित आस्था पथ तक भक्तों की लाइन लग गई थी। लगातार बढ़ रही भीड़ के चलते भक्तों को सभामंडप से ही दर्शन कराए गए। इससे पूर्व वर्ष 2022 में तीन मई से केदारनाथ की यात्रा शुरू हुई थी। तब, यात्रा के आठवें दिन कुल दर्शनार्थियों की संख्या 151970 थी, जबकि 2023 में 25 अप्रैल से यात्रा का श्रीगणेश हुआ था और आठवें दिन तक धाम में 116108 शिव भक्तों ने दर्शन किए थे। इधर श्रीबदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष उम्मीद से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिस कारण धर्म दर्शन सभामंडप से ही कराए जा रहे हैं। बदरीनाथ धाम की यात्रा अबकी धीमी चल रही है। यात्रा शुरू होने के शुरुआती छह दिनों में धाम में 70 हजार यात्री ही पहुंचे, जबकि पिछले साल शुरुआत के एक सप्ताह में धाम में एक लाख से ज्यादा यात्री पहुंचे थे। हालांकि, बीते दो दिनों में यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बदरीनाथ धाम की यात्रा 12 मई को शुरू हुई थी। पहले दिन धाम में 22 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, लेकिन अगले दिन यह आंकड़ा छह हजार पर सिमट गया। 14 मई को श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई और 10 हजार से अधिक यात्री धाम में पहुंचे, लेकिन अगले दिन फिर छह हजार यात्री ही बदरीनाथ धाम पहुंचे। हालांकि, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को यात्रा ने रफ्तार पकड़ी है। बृहस्पतिवार को जहां 12,231 श्रद्धालु धाम में पहुंचे, वहीं शुक्रवार को 13,027 श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। अब शनिवार और रविवार को वीकेंड पर यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं अब विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश भी पड़ने वाला है, जिसके बाद धाम की यात्रा में तेजी आने की उम्मीद है। चारधाम यात्रा का यह रुझान रहा है कि यहां सबसे अधिक श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंचे थे, लेकिन एक हफ्ते की यात्रा के रुझान नई कहानी बयान कर रहे हैं। अप्रत्याशित ढंग से यात्रियों का सैलाब गंगोत्री और यमुनोत्री धामों पर उमड़ा है। इस कारण इन दोनों धामों की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। सरकार को यहां व्यवस्थाएं जुटाने के लिए अतिरिक्त ताकत झोंकनी पड़ रही है। शुक्रवार तक चारों धामों की यात्रा करने के लिए 28 लाख 48 हजार 707 यात्री अपना रजिस्ट्रेशन करा चुके थे। इसमें 33.51 फीसदी केदारनाथ धाम के लिए, 15.71 फीसदी यमुनोत्री धाम के लिए, 17.84 फीसदी गंगोत्री धाम के लिए और 30.57 फीसदी बदरीनाथ धाम के लिए रजिस्ट्रेशन कराया गया है। यानी श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के बाद दर्शन करने की सबसे अधिक इच्छा बदरीनाथ धाम के लिए जताई है। शुक्रवार को चारों धामों में पहुंचे 75090 यात्रियों में से सबसे ज्यादा यात्री केदारनाथ धाम के बाद यमुनोत्री धाम में पहुंचे हैं। केदारनाथ में 42.95 प्रतिशत श्रद्धालुओं ने आज दर्शन किए जबकि यमुनोत्री में 21.04 फीसदी यात्री पहुंचे। बदरीनाथ में शुक्रवार को सबसे कम 17.34 प्रतिशत यात्रियों ने दर्शन किए।

बदरीनाथ में यूपी और एमपी के दो यात्रियों की हार्ट अटैक से मौत

चमोली। बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए यूपी और मध्य प्रदेश के दो तीर्थयात्रियों की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। बदरीनाथ थाना प्रभारी नवनीत भंडारी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात को धाम में दर्शन के लिए आए महेश कुमार (64) निवासी विकासनगर, चंदौसी उत्तर प्रदेश को दिल का दौरा पड़ गया। उन्हें अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार सुबह परिजन शव को अपने साथ लेकर लौट गए। वहीं, शुक्रवार को मोहन सिंह मौर्य पुत्र रामजी निवासी ग्राम बछोड़ा जिला इन्दौर(मध्य प्रदेश) ने 112 पर सूचना दी कि उनके मामा रामेश्वर(85) का माणा गांव के पास स्वास्थ्य खराब हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी नवनीत भंडारी ने बताया कि हृदय गति रुकने से दोनों श्रद्धालुओ की मौत हुई है।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धितायं ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ।।
हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक
ब्राह्मणों द्वारा रूद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ
महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी
यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि
समस्याओं का समाधान
के लिये संपर्क करें :
आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

पद्मश्री डा. माधुरी ने राज्यपाल से की मुलाकात

देहरादून(उद संवाददाता)। शुक्रवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को स्वलिखित पुस्तक गढ़वाल के संस्कार लोकगीत ''मांगल'' भेंट की। लोक गायिका डॉ. माधुरी बड़थ्वाल लोक संगीत, लोक साहित्य एवं संस्कृति संरक्षण के लिए कार्य कर रही हैं। संस्कृति के संरक्षण एवं इसमें योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. माधुरी बड़थ्वाल महिला सशक्तीकरण की प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने डॉ. माधुरी द्वारा लिखित पुस्तक के लिए उनकी सराहना की और कहा कि यह पुस्तक संगीत के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी रहेगी। उन्होंने कहा कि यहां का लोक संगीत और संस्कृति हमारी पहचान है और यह हमारी धरोहर है। यह धरोहर लुप्त न हो जाए इसके विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से स्थानीय लोकगीत की जानकारी आमजन तक पहुंचेगी।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग
ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें–
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः–
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री–पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा
शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी । डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लायें तेजी: मनीष

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री घोषणा, जिला योजना वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रगति रिपोर्ट, जिला योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रस्तावित संरचना, राज्य तथा केन्द्र सैक्टर की वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की प्रगति की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित शहीद ऊधमसिंह सभागार में आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद स्तर पर जिला योजना भूमिका के बारे में बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जानकारी दी व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समिति सदस्यों के प्रस्ताव जिला योजना में शामिल किये जाये। उन्होंने जिला योजना समिति के सदस्यों को प्राथमिकता के आधार पर अपने-अपने प्रस्ताव जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा ताकि प्राथमिकता के आधार पर उनके प्रस्ताव जिला योजना में शामिल किये जा सकें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष ही योजनाओं का चयन करना सुनिश्चित करें तथा कम खर्च पर अधिक से अधिक जनता को लाभांवित करने वाली योजनाओं को जिला योजना में शामिल करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि ऐंसी बड़ी योजनाओं को जिला योजना में न रखा जाये, जिनके लिए केन्द्र व राज्य की अन्य योजनाओं से बजट आवंटन की व्यवस्था हो सके। उन्होने जनता को लाभ देने हेतु प्रासंगिग तथ्य एवं आंकड़े एकत्रित कर ग्राम स्तर एवं नगर निकाय स्तर से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का निर्माण कर उपलब्ध बजट से योजनाओं को तैयार कर उन्हें जनहित में धरातल पर लागू करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होने जिला योजना की गाईडलाईन की जानकारी देते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से कन्वर्जेन्स पर भी तरजीह देने व कलस्टर अप्रोच को बढ़ावा देने के निर्देश दिये, साथ ही पिछड़े ईलाकों व दूरस्थ गांवों और एससी-एसटी बाहूल्य क्षेत्रों का चिन्हिकरण कर योजनाऐं बनाने व कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होने बताया कि 'आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम' मे गदरपुर को चिन्हित किया गया है और निर्देशित करते हुए कहा कि गदरपुर में विशेष प्रयास करते हुए विकास योजनाओं पर कार्य किया जाये ताकि यह अन्य समुन्नत विकास खण्डों के समकक्ष आ सके। उन्होने कहा कि किसी विशेष क्षेत्र के लिए नही बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए योजनाओं का निर्माण करें साथ ही स्वरोजगार तथा आत्मनिर्भरता को विभागीय योजनाओं में जिला योजना के अन्तर्गत बढ़ावा दें। मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपनी देयता समाप्त करते हुए पहली प्राथमिकता पूर्व में संचालित योजनाओं को दें साथ ही नये कार्य योजनाओं पर भी अवश्य कार्य करें। उन्होने सतत विकास लक्ष्यों की प्रतिपूर्ति हेतु योजनाऐं व नीतियों को बनाकर कार्य करने के भी निर्देश दिये ताकि एसडीजी रैंकिंग में सुधार किया जा सकें। उन्होने जल संरक्षण, मल्टी विलेज स्कीम को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं पर अमल करते हुए अपने-अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से समन्वय करते हुए सभी निर्माण कार्यों को ससमय पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दियें तथा कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभागीय सचिव को कार्यो की प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।बैठक में जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी के एस रावत, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार शर्मा, डीएसटीओ नफील जमील, जीएम डीआईसी विपिन कुमार, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध, डीपीओ व्योंमा जैन, समस्त नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वार्ड सभासद पद के लिए मुजम्मिल ने पेश की दावेदारी

गदरपुर(उद संवाददाता)। वार्ड नंबर 3 से सभासद पद की दावेदारी करते हुए मुजम्मिल हुसैन ने गांधीनगर व भोला कॉलोनी में लोगों से जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान के संजय कुमार (सन्नू) ने कहा कि मुजम्मिल हुसैन निष्ठावान समाजसेवी हम सब के बीच के हैं तथा कर्मठ जुझारू और पढ़े लिखे हैं।। सभासद प्रत्याशी मुजम्मिल हुसैन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वार्ड नंबर 3 के सभी लोग सभासद पद के लिए उन्हें आशीर्वाद देंगे। मुजम्मिल हुसैन ने कहा जनता ने उन्हें आशीर्वाद दिया तो वह वार्ड का चहुमुखी विकास करके दिखायेंगे। इस दौरान संजय कुमार, पीर मौ सलमानी, यूसुफ मलिक, संजय, फरमूद हुसैन सिद्धीकी, कपिल, लक्की आयान आदि काफी संख्या लोग उपस्थित रहे।

प्रेमानंद महाजन पर लगे आरोपों को बताया बेबुनियाद

गदरपुर(उद संवाददाता)। बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर गांगुली ने पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन पर एक तथाकथित नेता द्वारा बंगाली समाज के लिए विधायक कार्यकाल में कोई कार्य न किए जाने के आरोप को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह केवल लोकप्रिय नेता पूर्व विधायक और कांग्रेस से चुनाव लड़ चुके प्रेमानंद महाजन की छवि को खराब करने वाली बात है । शहीद उधम सिंह कंबोज धर्मशाला में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर गांगुली ने कहा कि दो बार विधायक रहे प्रेमानंद महाजन द्वारा अपने कार्यकाल में बंगाली समाज के अलावा अन्य वर्ग के लोगों के लिए भी समुचित कार्य विधायक निधि से किये। जिसके लिए वह बधाई के पात्र है उन्होंने बिना भेदभाव के सभी वर्गों के लोगों के लिए मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य कार्य किये। उन्होंने बंगाली समाज के लोगों के लिए अनुसूचित जाति का दर्जा दिलवाने के लिए भी दिल्ली में आंदोलन किया और गिरफ्तार भी हुए थे। उन्होंने बंगाली महासभा के स्वयंभू अध्यक्ष बने राजकुमार शाह के आरोपों को बेबुनियाद बताया। वहीं बंगाली कल्याण समिति के महामंत्री आशुतोष राय ने भी कहा कि प्रेमानंद महाजन दो बार बहुजन समाज पार्टी से विधायक के रूप में और तीसरी बार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मात्र 1000 वोटो से अपनी हार स्वीकार करते हुए लोकप्रियता का जीता जागता सबूत है उनकी लोकप्रियता देखकर कई लोगों को उनसे जलन हो रही है जिसका जवाब जनता देगी। इस मौके परआशुतोष राय महामंत्री,शिवपद सरकार पूर्व सचिव ,वीरेंद्र चंद्र मंडल कार्यकर्ता, पूर्व जिला पंचायत सदस्य टेकचंद कंबोज,अनिल सिंह ,राजवीर सिंह ,बृज मोहन, बंटी ,श्यामलाल आदि मौजूद थे।

मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से निजात दिलाने की मांग

दिनेशपुर(उद संवाददाता)देवभूमि व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश नारंग ने बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से निजात दिलाने को पंचायत प्रशासन से नगर में कीटनाशकों के छिड़काव के साथ फार्गिंग कराने की मांग की हैईओ सरोज गौतम को सौंपे ज्ञापन में नारंग ने कहा कि तापमान बढ़ने के साथ नगर में एकाएक मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। मच्छरों के आतंक से लोगों का जीना दूभर हो गया है। उधर ढेंगू ने भी प्रदेश में दस्तक दे दिया है।बावजूद इसके पंचायत प्रशासन की ओर से मच्छरों से निजात दिलाने की कोई व्यवस्था नही की गई है।पंचायत की फगिंग मशीने कार्यलय के स्टोर मे धूल फांक रही है। जिससे लोगों में आक्रोश है। ईओ ने समस्या से निजात दिलाने का आश्वसन दिया।

जरूरतमंदों को वितरित किये वस्त्र

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)।श्रीमद् भागवत कथा व्यास आचार्य राम चन्द्र ने विधवा,दिव्यांग,असहाय, जरूरत मंद बुजुर्ग महिलाओं को वस्त्र प्रदान किए। कथा व्यास आचार्य राम चन्द्र महाराज ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही ईश्वर सेवा है ।सनातन संस्कृति हमे यही सिखाती है ।प्रत्येक व्यक्ति को मानव कल्याण हेतु अपना सर्वस्व योगदान देना चाहिए। कथा व्यास आचार्य राम चन्द्र महाराज ब्यास पीठ पर मिले अनुदान को गरीब कल्याण में समर्पित करते हैं। श्री राम चंद्र सेवा संस्थान के संस्थापक द्वारा समय समय पर विभिन्न माध्यमों से जरूरतमंद लोगों की सहायता की जाती है।शक्तिफार्म के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंद तक स्वयं पहुंचकर अपना कर्तव्य निभा रहे राम चंद्र राय मानव सेवा को परमधर्म मानते है।

निकाय चुनाव टालना चाहती है सरकार: खान

किच्छा(उद संवाददाता)। निकाय चुनाव को सरकार एक बार फिर टालना चाहती है। प्रेस को जारी अपने बयान में उक्त आरोप कांग्रेस के जिला सचिव एन यू खान ने लगाते हुए कहा है कि 2 जून के 15 दिन शेष बचे हैं और सरकार द्वारा स्थानीय निकायों के आरक्षण आदि का कार्य अभी तक नहीं किया गया है और लगातार मतदाता सूची आदि में समय बढ़ा कर टालमटोल की प्रक्रिया की जा रही है। 15 दिन के शेष समय में चुनाव संपन्न कर पाना संभव नहीं प्रतीत होता। इससे लगता है स्थानीय निकायों में और शासन चलाने के लिए सरकार द्वारा किसी न किसी बहाने सरकार प्रशसकों के हवाले ही रखना चाहती है। कांग्रेस नेता एंन यू खान ने कहा कि अनेक नगर पालिका में निर्माण आदि के कार्य पिछले 6 माह से बंद पड़े हैं जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है तथा कुछ समय बाद होने वाली बरसात में जनता फिर घुटनों घुटनों पानी में निकलने को मजबूर होगी। श्री खान ने कहा कि सरकार तत्काल आरक्षण घोषित कर स्थानीय निकाय चुनाव की घोषणा करें जिससे जनता को राहत मिल सके और निर्माण आदि के विकास कार्य चालू हो सके।

नगर निकायों को अपने क्षेत्रों में नदी, नालों व नालियों की सफाई कराने के निर्देश

डीएम ने समीक्षा बैठक में रूद्रपुर और काशीपुर निगर निगम को दिए लीगेसी वेस्ट एवं फ्रैश वेस्ट के निस्तारण हेतु एसओपी का अनुपालन करने के निर्देश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी/प्रशासक उदयराज सिंह द्वारा लीगेसी वेस्ट एवं फ्रैश कूड़ा निस्तारण की प्रगति संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में ली गई तथा नगर आयुक्त, नगर निगम रुद्रपुर व काशीपुर को निर्देशित किया गया कि लीगेसी वेस्ट की साप्ताहिक रूप से ड्रोन से फोटो ली जाये जिससे सप्ताहिक रूप से डम्पिंग साईट के निस्तारण का वास्तविक आंकलन किया जा सके तथा साथ ही डम्पिंग साईट का पार्टिशन कर अलग-अलग ब्लॉक में बाटकर भी आंकलन किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग युनिट रूद्रपुर व काशीपुर के द्वारा आतिथि तक किए गये कार्यों की समीक्षा की व उन्हें लीगेसी वेस्ट के निस्तारण एवं डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कूड़ा निस्तारण हेतु सभी कार्य वैज्ञानिक तरीके से करने तथा एनजीटी के मानकों के अनुसार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा ट्रेंचिग ग्राउण्ड एवं शुक्ला फार्म में एकत्रित लीगेसी वेस्ट के निस्तारण से प्राप्त आर०डी०एफ० के निपटान हेतु नगर निगम रुद्रपुर में लीगेसी वेस्ट के निस्तारण हेतु अनुबन्धित फर्म मै० दयाचरन एण्ड कम्पनी को चेतावनी के साथ निर्देशित किया गया कि वे आगामी 01 जून, से पूर्व समस्त स्थलों से आरडी एफ को हटाते हुए जीपीएस ट्रैकिंग के साथ उक्त निस्तारण की रिर्पोट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि लीगेसी वेस्ट के निस्तारण से प्राप्त होने वाले आर०डी०एफ०, बायोसोईल, इर्नट, सी०

एण्ड डी० वेस्ट एवं मोस्चर आदि की प्रतिदिन मास बैलेंस रिपोर्ट तैयार की जाये साथ ही डिस्पोजल सामग्री के वजन के आधार पर प्रतिदिन कूड़े की निस्तारण की स्थिति का आंकलन किया जाए साथ ही उन्होंने लीगेसी वेस्ट एवं फ्रैश वेस्ट के निस्तारण हेतु एस ओ पी के अनुपालन के भी निर्देश दिए। उन्होंने रूद्रपुर में सीवर लाइन की संभावना के संदर्भ में तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने एवं रूद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत सीवर हेतु डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त न. नि. रूद्रपुर व काशीपुर को आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षाकाल से पूर्व ही नगर निकायों को अपने अपने क्षेत्रों में नदी, नालो व नालियों आदि की सफाई कराने के निर्देश दिए और कहा कि जिन बस्तियों में नालियां हैं वहां सफाई कराते हुए डेंगू की रोकथाम के मद्देनजर दवा का छिड़काव अवश्य करा लें। उन्होंने नगर निगम रूद्रपुर में कल्याणी नदी की सफाई कराये जाने की स्वीकृति प्राप्त करते हुए कल्याणी नदी की सफाई नगर निगम स्तर पर कराने के निर्देश दिए। बैठक में नोडल कुमाऊं मण्डल, शहरी विकास विशाल मिश्रा, नगर आयुक्त काशीपुर विवेक राय, नगर आयुक्त रूद्रपुर शिप्रा जोशी, प्रभारी अधिकारी अमृता शर्मा, अधि. अभियंता न. नि. रूद्रपुर सौरभ कुमार, कर अधीक्षक न. नि. रूद्रपुर लता आर्या सहित संबंधित अधिकारी व अनुबंधित फर्म के निदेशक व मैनेजर आदि उपस्थित थे।

छात्र नेता स्व.धन सिंह के जन्म दिन पर रक्तदान शिविर आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दिवंगत छात्र नेता स्वर्गीय धन सिंह मेहरा के जन्म दिन के मौके पर सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय के छात्र नेताओं ने काशीपुर रोड स्थित रुद्रपुर चैरिटेबल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कई युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने रक्तदान करके किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि छात्र नेता स्वर्गीय धन सिंह का एक सड़क हादसे में निधन हो गया था। धन सिंह मेहरा छात्रों के लिए हमेशा संघर्षरत रहे। उन्होंने छात्र हितों के लिए हमेशा आवाज उठाई थी। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गोपाल पटेल मदद करते और कहा कि कॉलेज दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी छात्र की मदद करने वाले नेता स्व धनसिंह मेहरा आज हमारे बीच नहीं है। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।इस दौरान धन सिंह मेहरा को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस मौके पर प्रो. राजेश कुमार, ललित विष्ट, रिक्की गुप्ता शुभम मेहरा, इमरान सेफी, राहुल गुप्ता, हिमांशु सुम्बा, धीरेन्द्र मित्रा, हैप्पी रंधावा, काई, के शार्मा, प्रशान्त चौरसिया, मो. असलम, रजत सिंह विष्ट, गुरुपिंदर, देवांश लोहनी, नक्शदीप सिंह, प्रमोद शर्मा, रचित सिंह, अंकित गंगर अंकुर वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री से मिला भाईचारा एकता मंच का शिष्ट मण्डल

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। आगामी नगर निकाय के चुनाव के संबंध में भाईचारा एकता मंच ने देहरादून मे पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत के आवास पर पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया। बताते चलें कि नगर निकाय के चुनाव में रुद्रपुर नगर निगम मेयर की सीट ओबीसी आरक्षित होने पर भाईचारा एकता मंच के अध्यक्ष ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। जिस संबंध में उन्होंने कांग्रेस के नगर अध्यक्ष

सी पी शर्मा को अपना आवेदन भी दिया है। इसी क्रम में भाईचारा एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष के पी गंगवार व कोषाध्यक्ष स्वामी आधार श्रीवास्तव ने देहरादून पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के आवास पर उनसे मुलाकात की और आगामी नगर निकाय के चुनाव में रुद्रपुर मेयर की सीट आरक्षित होने पर टिकट देने की मांग की। श्री रावत ने भाईचारा एकता मंच के अध्यक्ष को अपना आशीर्वाद देकर आश्वासन भी किया है।

लवी सहगल ने ठोकी चेयरमैन पद की दावेदारी

किच्छा(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मण्डल अध्यक्ष, भाजपा पूर्व सोशल मीडिया प्रभारी, नैनीताल लोकसभा सदस्य-भारतीय खाद्य निगम खाद्य मंत्रालय, भारत सरकार भूपेन्द्र सहगल (लवी सहगल)ने राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट से भेंट की तथा एक पत्र देकर नगर पालिका परिषद किच्छा की सामान्य सीट होने पर पार्टी का प्रत्याशी बनाए जाने की मांग की है।पत्र में कहा गया है कि विगत वर्षों से भारतीय जनता पार्टी एवं संघ का स्वंय सेवक व निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के तमाम सांगठनिक दायित्वों पर कार्य किया है। तन, मन, साधन से पार्टी के सांगठिक एवं राजनैतिक कार्यों को एक स्वंय सेवक एवं कार्यकर्ता की भाँति कार्य किया हैं ।जिसकी जानकारी संगठन को भली भाँति है। पार्टी कार्यों के साथ-साथ किच्छा विधानसभा क्षेत्र एवं जिले भर में सामाजिक, धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। तथा सामाजिक तौर पर भी उनकी अच्छी पेट है वह इच्छा नगर पालिका अध्यक्ष पद पर विजय हासिल कर भारतीय जनता पार्टी का झंडा ऊंचा कर सकते हैं।

युवराज राय ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। सितारगंज के स्कॉलर्स वैली इंटर नेशनल स्कूल में अध्यनरत छात्र युवराज राय ने सीबीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा मे 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया है। युवराज स्कूल मे लगातार कक्षा 9 तक स्कॉलर्स ऑफ द ईयर रहा ।युवराज की माता श्रीमती कृष्णा राय एवं पिता किशोर राय दोनों टैगोर नगर के पूर्व प्रधान रहे । उनका कहना है कि उनके पुत्र ने हाईस्कूल बोर्ड में 95 % प्राप्त कर अपने परिवार के साथ गुरुजनों व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधक पलविंदर सिंह ने कहा युवराज राय हमेशा से एक मेहनती बच्चा रहा है और मेहनत का फल अच्छा

ही मिलता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कवलजीत कौर ने युवराज को एक आज्ञाकारी विद्यार्थी बताया। युवराज राय ने क्वांट्स कोचिंग शक्तिफर्म से अपनी तैयारी की । जिसमें नीरज हल्दर एवं उनकी टीम का बहुत ही सहयोग रहा इस खुशी के अवसर पर विद्यालय एवं क्वांट्स कोचिंग सेंटर से सम्मानित किया गया ।

सड़क निर्माण के कार्यों की सीडीओ ने की समीक्षा

रूदपुर(उद संवाददाता)। सचिव ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में पी०एम०जी०एस०वाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी द्वारा जनपद में प्रस्तावित मोटर मार्गों की प्रगति की समीक्षा बैठक की ।समीक्षा बैठक में पीएमजीएसवाई 3 के सम्बन्ध में विभाग से जानकारी प्राप्त की गई। मोटर मार्गो के चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए अधिशासी अभियन्ता, पीएमजीएसवाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी द्वारा अवगत कराया गया कि 4 कि०मी० लम्बाई से अधिक के ग्रामीण मोटर मार्गों को, जिसमें 25 प्रतिशत से अधिक अर्थन पार्ट/मिट्टी का भाग (कच्चा) न हो तथा वह ग्रामीण सड़के जिनमें 9 वर्ष से अधिक समय से कोई डामरीकरण का कार्य न किया गया हो, का चयन किया गया है। उक्त सड़कों के चयनोपरान्त स्थानीय ग्राम पंचायत/जिला पंचायत/क्षेत्रीय विधायक द्वारा अनुमोदन के उपरान्त सम्बन्धित सांसद की सहमति से प्रस्तावों का गठन किया गया है। भारत सरकार की स्वीकृति उपरान्त वर्तमान में निविदा प्रक्रिया गतिमान है।द्वितीय बिन्दु के अन्तर्गत चयनित मोटर मार्ग एवं उसमे किये जाने वाले कार्यों की जानकारी प्राप्त की गयी। अधिशासी अभियन्ता, पी०एम०जी०एस०वाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जनपद ऊधमसिंह नगर में 5 मोटर मार्गों का पी०एम०जी०एस०वाई 3 के अन्तर्गत कार्य किया जाना प्रस्तावित है विकास खण्ड सितारगंज अन्तर्गत नकुलिया से बिधौरी सलमत्ता तक सड़क निर्माण, लम्बाई 5.175 किमी । विकास खण्ड सितारगंज अन्तर्गत नगला से बिधौरा तक सड़क निर्माण, लम्बाई 4.100 कि०मी०।

विकास खण्ड काशीपुर अन्तर्गत सीतारामपुर से प्रतापपुर तक सड़क निर्माण, लम्बाई 5.00 कि०मी०। विकास खण्ड काशीपुर अन्तर्गत बाजावाला से जगतपुर सेमलपुरी तक सड़क निर्माण, लम्बाई 5.119 कि०मी०। विकास खण्ड जसपुर अन्तर्गत अहमदनगर से सन्यासीवाला तक सड़क निर्माण, लम्बाई 5.127 किमी०। अधिशासी अभियन्ता, पीएम०जी०एस०वाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त मोटर मार्गों मे ड्रेसिंग टॉप लेयरिंग एवं बिटुमिन कार्य किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त जल भराव एवं आवासीय क्षेत्रों में नालियों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यह भी अवगत कराया गया कि वर्तमान में उक्त कार्यों की निविदा प्रक्रिया गतिमान है। कार्य किये जाने हेतु 9 माह का समय प्रस्तावित है। चूंकि मानसून सत्र में तराई क्षेत्रों में जल भराव एवं बाढ़ की समस्या पैदा होने के कारण कार्य किये जाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा, अतः ससमय कार्यों के प्रारम्भ की अनुमति दिया जाना जनहित में आवश्यक है। मुख्य विकास अधिकारी, ऊधमसिंह नगर मनीष कुमार ने अधिशासी अभियन्ता, पीएमजी एसवाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी को निर्देशित किया कि उक्त के सम्बन्ध में विभागीय स्तर पर आवश्यक पत्राचार करना सुनिश्चित करें तथा कार्य प्रारम्भ से पूर्व उक्त मोटर मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर लें, जिससे कि कार्यों के निर्माण के दौरान कोई भी तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में पीएमजी एसवाई सिंचाई खण्ड हल्द्वानी से फरहान खान, अधिशासी अभियन्ता, पीएमजीएसवाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी, नवीन पाण्डे, सहायक अभियन्ता, पीएमजीएसवाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी, शंकर शम्भू पन्त, सहायक अभियन्ता, पीएमजीएसवाई, सिंचाई खण्ड हल्द्वानी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं को दावत दे रहा विद्युत पोल

कई बार मांग उठने के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही

किच्छा(उद संवाददाता)। बरेली रोड पर स्थित आवास विकास के गेट के नजदीक विद्युत पोल सड़क दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क चौड़ीकरण के बाद सड़क के दायरे में आ रहे विद्युत विभाग के दो पोल वर्तमान में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आवास विकास के दूसरे गेट पर विद्युत विभाग के दो बड़े ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं जिनको रेलिंग बनाकर सुरक्षित किया गया है तथा विद्युत आपूर्ति के लिए रेलिंग से बाहर दो बड़े विद्युत पोल खड़े हैं जिस वजह से इस मोड़ पर सड़क पूर्ण रूप से संकरी हो गई है जबकि आगे पीछे सड़क पूर्ण रूप से चौड़ी है अमूमन इस मोड़ पर वाहनों के चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है

जिस वजह से हादसे का भय बना रहता है। समाजसेवी केवल हुड़िया एवं सुरजीत सिंह सहित तमाम लोगों ने सड़क पर आ रहे इन ट्रांसफॉर्मर एवं विद्युत पोलों को पीछे हटाकर लगाए जाने की मांग शासन प्रशासन से की है। यहां यह भी उल्लेख करना है कि थोड़ी ही दूर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का भी आवास है तथा उससे आगे जाने पर वर्तमान विधायक तिलक राज बेहड़ का भी कार्यालय पड़ता है। यह मोड अत्यधिक आवाजाही की वजह से भी व्यस्त रहता है तथा किसी भी समय अनहोनी होने की संभावना बनी हुई है। लोगों का आरोप है की विभाग द्वारा मामले मे जानबूझ कर देरी की जा रही है। लोगों का कहना है कि विभाग को इस संबंध में समय-समय पर अवगत कराया गया है तथा पोल एवं ट्रांसफार्मर को पीछे हटाने के लिए धन की व्यवस्था भी कर दी गई है बावजूद इसके विभाग के कानों में जून तक नहीं रेंग रही है और तो और उनकी कुंभ करणी नींद भी नहीं खुल रही है। व्यापार मंडल के महामंत्री विजय अरोड़ा का भी कहना है कि यदि अति शीघ्र विद्युत ट्रांसफार्मर और पालों को सड़क से हटाकर आम जनमानस के जीवन को सुरक्षित नहीं किया गया तो विभाग के खिलाफ आंदोलन भी चलाया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ने भी जानकारी देते हुए बताया कि विद्युत पोलों को सड़क की सीमा से हटाए जाने के संबंध में विद्युत विभाग के आला अधिकारियों से कई बार लिखित और मौखिक तौर पर कह दिया गया है किंतु अभी तक विद्युत पोलों एवं ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग का कार्य संपन्न नहीं हुआ है उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सड़क के संकरी होने की वजह से उक्त स्थान पर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

ईआरपी के कारण आ रही दिक्कतें: एसडीओ

किच्छा। आवास विकास के गेट नंबर 2 पर सड़क पर खड़े विद्युत पोलों एवं ट्रांसफार्मर को हटाए जाने के संबंध में विद्युत विभाग के एसडीओ डीसी गुरुरानी से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि इआर पी के कारण सामान अवमुक्त करने में दिक्कतें आ रही हैं जिस वजह से ट्रांसफार्मर और विद्युत पोलों को शिफ्ट करने का कार्य में विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि विद्युत पोलों एवं ट्रांसफार्मर को शिफ्टिंग के लिए विधायक निधि से धनराशि अवमुक्त हो तथा इआरपी की वजह से आ रही दिक्कत का निराकरण होता है तो तुरंत ही उक्त विद्युत फूलों को सड़क से हटाकर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। किंतु इस बात का जवाब एसडीओ डीसी गुरुरानी नहीं दे पाए कि कब तक उक्त कार्रवाई संपादित कर दी जाएगी। बहरहाल सड़क पर खड़े विद्युत पोल आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं।

भाविप की नव निर्वाचित समिति को दिलाई शपथ

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद शाखा हल्द्वानी का वर्ष 2024-25 के लिए नवनिर्वाचित समिति का अधिष्ठापन एवं नए सदस्यों का संकल्प समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसका प्रारंभ प्रांतीय संरक्षक विजय भूषण गर्ग, क्षेत्रीय संरक्षक भगवान सहाय अग्रवाल, क्षेत्रीय सचिव संपर्क राजेंद्र कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय सचिव महिला सहभागिता पाला मेहता, शाखा अध्यक्ष भवानी शंकर नीरज एवं सचिव डॉ अभिषेक मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलित करके और वन्देमातरम गायन के साथ किया गया। सर्वप्रथम प्रांतीय महासचिव हरीश शर्मा द्वारा नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। जिनमें दया सागर बिष्ट, बसंत अग्रवाल, नरेंद्र साहनी, महेश खुल्बे मुख्य रूप से उपस्थित थे। इसके पश्चात अधिष्ठापन अधिकारी विजय भूषण गर्ग द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारी जिसमें विवेक कश्यप, रूपम अग्रवाल, दीपक बख्शी को उपाध्यक्ष, सौरव अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, मयंक मित्तल को उपसचिव, एकता अग्रवाल, प्रीति जायसवाल को महिला सह संयोजिका, विपुल अग्रवाल को मीडिया प्रभारी के साथ प्रकल्प के संयोजकों को शपथ दिलाने के साथ कार्यकारिणी 2024-25 अधिष्ठापित की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका मित्तल द्वारा एवं गेम्स का संयोजन महिला संयोजिका डॉ निधि अग्रवाल द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, रूपा अग्रवाल, विनीता शर्मा, शिखा अग्रवाल, भूमिका मित्तल आदि सदस्य उपस्थित थे।

सामिया बिल्डर्स से दिलाया बुक किए फ्लैट पर कब्जा

कुमांऊ आयुक्त दीपक ने जनसुनवाई में दिया आदेश

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सामिया बिल्डर्स से बुक किए फ्लैट पर कब्जा दिलवाकर 14 वर्ष पुरानी लम्बित समस्या का समाधान आयुक्त दीपक रावत द्वारा एक दिन में करा दिया गया। वर्ष 2010 में युसुफ खान द्वारा कालिंदी अर्पाटमेंट में फ्लैट हेतु 4 लाख 25 हजार की धनराशि देने के बावजूद वर्तमान तक खान को फ्लैट का आंवटन एवं कब्जा नही मिला। 15 मई को जनसुनवाई में युसुफ खान द्वारा अपनी समस्या आयुक्त के सम्मुख बताई जिस पर आयुक्त दीपक रावत ने 16 मई को चौदह वर्ष पुरानी समस्या का समाधान मौके पर दोनो पक्षों की सहमति पर किया। कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में जनसुनवाई में 15 मई को युसुफ खान निवासी कैन्ट शामा भवन तल्लीताल नैनीताल ने आयुक्त श्री रावत को जनसुनवाई में बताया कि सामिया बिल्डर्स के स्वामी जमील खान एवं प्रबन्धक निदेशक आसिम सगीर खान निवासी काशीपुर रोड रूद्रपुर से वर्ष 2010 में कालिंदी अर्पाटमेंट में फ्लैट क्रय करने हेतु 10 लाख 50 हजार में बात हुई थी। फ्लैट बुकिंग हेतु एडवांस में 3 लाख की धनराशि चौक के माध्यम से तथा 1 लाख 25 हजार रूपये नगद दिये थे, लेकिन आतिथि तक उन्हें कोई फ्लैट का आवंटन नहीं किया। सामिया बिल्डर्स के स्वामी से वार्ता करने पर वार्ता भी नही की जा रही है। उन्होने आयुक्त से सामिया बिल्डर्स से फ्लैट आवंटन दिलाने की मांग की। जिस पर आयुक्त श्री रावत ने 16 मई गुरूवार को सामिया बिल्डर्स के स्वामी जमील खान को तत्काल जनसुनवाई में कार्यालय में तलब कर दोनों पक्षो की सहमति पर युसुफ खान को कालिंदी अर्पाटमेंट में फ्लैट के आवंटन के साथ ही कब्जा दिलाया। जिस पर युसुफ खान ने 14 वर्ष पुरानी समस्या का समाधान पर आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ काली पूजा महोत्सव का समापन

दिनेशपुर(उद संवाददाता)।ग्रामीण क्षेत्र चितरंजनपुर नंबर 2 में काली पूजा की समापन संध्या पर कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा सुंदर-सुंदर झांकियों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। क्षेत्र के छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने समाज के संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वही बंगाली कलाकारों द्वारा जात्रा गान से काली के रूपों को सजाया। इस मौके पर काली पूजा कमेटी द्वारा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। चितरंजनपुर नंबर दो काली पूजा कमेटी के तत्वाधान में आयोजित पाच दिवसीय काली पूजा महोत्सव का बृहस्पतिवार बीती रात्रि को

समापन हो गया। समापन समारोह के मौके पर हरिचांद गुरुचांद धर्म मंदिर के मठाधीश विवेकानंद महाराज रहे। इससे पूर्व बजरंगबली की विशालकाय झांकी देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों ने बजरंगबली के साथ खूब सारी मस्ती की। युवा वर्ग ने बजरंगबली के साथ सेल्फी भी लिए। शुक्रवार देर रात्रि मां बोन देवी पूजा तथा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष मृदुल अधिकारी व राहुल वैद्य, चंदन गाइन, ज्योतिष विश्वास, अनादी बैरागी, जगबंधु सरकार, करण बैरागी, विनय मंडल, मनीशंकर, बैरागी, इंद्रजीत राय, राकेश विश्वास, रमेश सरकार, अजीत बैरागी, हरिचंद विश्वास, वरुण विश्वास, प्रेम अधिकारी, किशोर बैरागी, हरिदास वैद्य, महानंद विश्वास, गोलोक विश्वास, मनोरंजन बैरागी, सुनील बैरागी, पूजा मंडल, राखी राय, जिया वैद्य, ज्योति राय, रीना अधिकारी, रानी राय, अक्षरा राय, मानवी वैद्य समेत समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रमेश बैरागी ने किया।

काम करवाकर मजदूरी के 50 हजार हड़पने का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। काम करवाकर मजदूरी के 50 हजार हड़प लेने का आरोप लगाते हुए पीड़ितों ने सहायक श्रम आयुक्त को प्रार्थना पत्र सौंप कर न्याय की गुहार लगाई है। सुशील कुमार पुत्र झब्बू राम निवासी भौना इस्लाम नगर, बाजपुर ने बताया कि वह एवं उसके भाई अनिल, विकास गुज्जर पुत्र गोविन्द सिंह निवासी गोध, जिला भिन्ड, मध्य प्रदेश में 3.03.2024 को रिपर से लाही का भूसा बनाने गये थे। उक्त विकास गुज्जर एवं हमारा 40 दिन का अस्सी हजार रूपये में बात तय हुई थी। भाईयों ने दिन रात रिपर चलाया तथा कुल 45 दिन कार्य किया। अर्थात तयशुदा दिन से 5 दिन अतिरिक्त कार्य कराया गया। इस प्रकार हमारे द्वारा कुल नब्बे हजार रूपये का कार्य कराया गया। जब अपना कार्य समाप्त करके 17.04.2024 को वापस आये तो विकास ने चालीस हजार रूपये ही दिये तथा शेष पचास हजार रूपये हमारे एकाउण्ट में ट्रांसफर करने का आश्वासन दिया। लेकिन उसने कोई धनराशि खाते में ट्रांसफर नहीं की। उसके मोबाइल पर सम्पर्क किया गया तो आज-कल पर टालता रहा। अन्त में उसने पैसे देने से साफ इन्कार कर दिया। विकास ने उसकी व उसके भाई की मजदूरी की रकम हड़प कर ली।

स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव की दी जानकारी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत लालकुआं व बनभूलपुरा थाना पुलिस ने स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव की दी जानकारी देकर उन्हें नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लालकुआं दिनेश फर्त्याल द्वारा एसकेएम स्कूल बिंदुखत्ता के स्कूली बच्चों को नशे के प्रति जागरूक करते हुए साइबर क्राइम व पोक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई।थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज इंद्रानगर बनभूलपुरा में साईं कृपा ट्रस्ट से नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से नशामुक्त अभियान के तहत

जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। स्कूली छात्र- छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करते हुए नशा न करने हेतु प्रेरित किया गया।सभी को देवभूमि को नशामुक्त बनाने के लिए इस अभियान को सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई तथा मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी करने वालों के सम्बंध में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई।

खटीमा के अधिवक्ताओं ने उठाई उच्च न्यायालय रूद्रपुर में स्थापित करने की मांग

खटीमा (उद संवाददाता)। खटीमा अधिवक्ता एसोसियेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व अध्यक्ष एच०एस० कलसी एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई जिसमें उच्च न्यायालय नैनीताल के अन्यत्र स्थानान्तण के विषय पर चर्चा की गई । सर्वसम्मति से अधिवक्ताओं ने रूद्रपुर में उच्च न्यायालय स्थापित करने का समर्थन किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्माण हेतु रूद्रपुर में आवश्यक भूमि व अन्य आधारभूत सुविधायें उपलब्ध है। माननीय उच्च न्यायालय को रूद्रपुर में स्थानान्तरित कर दिया जाये क्योंकि रूद्रपुर में हवाई सेवा, रेल सेवा, सड़क मार्ग तथा समुचित सुवधायें उपलब्ध है। जिस कारण माननीय उच्च न्यायालय को रूदपर में स्थापित किया जाना सुविधाजनक होगा। उच्च न्यायालय भी भविष्य की विस्तारीकरण की सम्भावनाओं को देखते हुये भी रूद्रपुर में माननीय उच्च न्यायालय के परिचालन हेतु आधारभूत आवश्यकताओं की भी आसानी से पूर्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त समस्त उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक राय व्यक्त की कि माननीय उच्च न्यायालय की दूसरी बेंचे स्थापित नही की जानी चाहिये क्योंकि छोटे राज्य को देखते हुये एक ही बेंच होना, न्यायपूर्ण, बचत वाला तथा गुणवत्तापूर्ण होगा जिससे वादकारियों के पास पसन्द का अधिवक्ता नियुक्त करने के ज्यादा अवसर उपलब्ध होंगे तथा वादकारियों को सुलभ व सस्ता न्याय उपलब्ध होगा। इस अवसर पर साबिर हुसैन, महेश चन्द्र जोशी, कविंद्र कफलिया, पूनम बिष्ट, पूरन ज्याला, आशीष मेहरोत्रा, रईस अहमद, भैरव भट्ट, अमित सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

हिंसा और विस्थापन का दंश

दुनिया भर में हर वर्ष लाखों लोग विस्थापित होते हैं और उन्हें अकथनीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मगर इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते विश्व में भी ऐसी ठोस पहलकदमी नहीं दिखाई देती जिसमें अपनी जड़ों से उखाड़ दिए गए लोगों के दुख पर गौर किया जा सके और एक दीर्घकालिक समाधान का रास्ता तैयार हो। यह बेवजह नहीं है कि आज भी अलग-अलग देशों से बड़ी संख्या में लोग अपना घर-बार छोड़ कर दूसरी जगहों पर जाने पर मजबूर कर दिए जाते हैं। अक्सर आने वाली रिपोर्टों में इस समस्या की जटिलताओं की ओर ध्यान दिलाया जाता रहा है, लेकिन अब तक विस्थापन का सिलसिला बदस्तूर कायम है। अब जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र यानी आइडीएमसी की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सन 2023 में दक्षिण एशिया में कुल उनहत्तर हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इसमें अकेले मणिपुर से सड़सठ हजार लोग विस्थापित हुए। यानी दक्षिण एशिया के सभी देशों में जितने लोगों को अपने ठौर से उजड़ना पड़ा, उसमें सत्तानबे फीसद लोग मणिपुर के हैं। गौरतलब है कि सन 2018 के बाद यानी पिछले पांच वर्षों में भारत में हुआ यह सबसे बड़ा विस्थापन है। देश के अन्य इलाकों में जहां बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा और रोजी-रोटी जैसी वजहों से लोगों को दूसरी जगहों की ओर अपने जीने के रास्ते की खोज में निकलना पड़ा, वहीं मणिपुर में हुई व्यापक हिंसा ने वहां हजारों लोगों को विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया। आइडीएमसी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि मार्च 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के संदर्भ में जो रुख जाहिर किया था, उसके बाद राज्य के बड़े हिस्से में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसमें करीब दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और इसकी वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ कर राहत शिविर या दूसरी जगहों पर शरण लेना पड़ा। आज भी वहां स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। जाहिर है, एक साधारण विवाद से जो हालात पैदा हुए, उसके एक वर्ष बीत जाने के बावजूद उसे संभालने में सरकार अब तक नाकाम है और इसका खमियाजा हिंसक संघर्ष की वजह से बेठौर हुए लोगों को भुगतना पड़ रहा है। विश्व भर में ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है, जो बहुत मुश्किल से किसी जगह पर अपना ठिकाना और उनमें से कुछ लोग घर बनाते हैं। मगर इससे ज्यादा तकलीफदेह और क्या हो सकता है कि उन्हें वैसी वजहों के लिए उस जगह को छोड़ कर कहीं और जाना पड़ जाता है, जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं होते हैं। यही नहीं, अपने ठौर से वंचित लोग जब कहीं और जीने की जगह ढूंढ़ने निकलते हैं तो सभ्य कही जाने वाली व्यवस्थाओं वाले लोकतांत्रिक देशों में भी उनके लिए टिकना आसान नहीं होता। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि विश्व के आधुनिक होने के दावों के बीच पिछले दो वर्षों में संघर्ष और हिंसा की वजह से अपना घर छोड़ने पर मजबूर लोगों की संख्या में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। दुनिया के जिन हिस्सों में हालात में सुधार हो रहे थे, अब वहां भी यह समस्या अपने पांव पसार रही है। हिंसा या संघर्षों को रोकने और शांति की स्थापना करने में नाकामी दरअसल विश्व भर में अशांत इलाकों में सक्षम देशों की कूटनीतिक और रणनीतिक कवायदों के महज दिखावा होने को ही दर्शाती है।

बदमाशों ने सिग्नल पर मिट्टी लगाकर दो ट्रेनों को रोका, महिला का मंगलसूत्र छीना

रूड़की। बखाफै बदमाशों ने सुरखा व्यवस्थाओं को खुली चुनौती देते हुए लूटपाटी की बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली। सहारनपुर-मुरादाबाद रेल मार्ग पर लक्सर रेलवे स्टेशन के पास बदमाशों ने सिग्नल पर गीली मिट्टी लगाकर दो ट्रेनों को रोक दिया। इसके बाद बदमाश डिब्बों में चढ़े और हथियारों के बल पर यात्रियों से लूटपाट शुरू कर दी। यात्रियों के शोर मचाने पर चालकों ने गाड़ी चलाई तो बदमाश खेतों के रास्ते फरार हो गए। इस दौरान उन्होंने पथराव भी किया। कई स्टेशनों की पुलिस वारदात के खुलासे में जुट गई है। जीआरपी पुलिस के अनुसार वारदात बृहस्पतिवार रात 3.30 बजे घटी। चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही 04518 गोरखपुर-चंडीगढ़ स्पेशल ट्रेन लक्सर स्टेशन के पास हड़वाहा नाला पुल के निकट सिग्नल नहीं दिखने के कारण रुक गई। बदमाशों ने सिग्नल पर गीली मिट्टी लगा दी थी, जिससे चालक को हरी बत्ती दिखाई ही नहीं दी। ट्रेन रुकते ही रेलवे ट्रैक पर खड़े कुछ बदमाश एक डिब्बे में चढ़ गए और हथियार दिखाकर यात्रियों से लूटपाट शुरू कर दी। इस पर यात्रियों ने शोर मचा दिया। मामले की भनक लगते ही चालक ने गाड़ी चला दी। इस पर बदमाश ट्रेन से उतर गए। इस दौरान उन्होंने पथराव भी किया। बदमाशों ने कुछ ही मिनटों बाद यहां से गुजर रही 22356 चंडीगढ़ पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में भी बिल्कुल ऐसे ही वारदात को अंजाम दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। शुक्रवार तड़के से दोपहर तक जीआरपी एसपी मुरादाबाद आशुतोष शुक्ला, एसओ लक्सर जीआरपी संजय शर्मा समेत तमाम अधिकारी मौके पर जांच-पड़ताल में जुटे रहे। पुलिस को बावरिया गिरोह पर शक है, कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। दावा है कि जल्द वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा। बृहस्पतिवार रात हुई वारदात दिन तक छुपाने की कोशिशें होती रहीं। दोपहर में मीडिया को खबर लगी तो आला अफसरों ने वारदात कबूली, लेकिन महिलाओं से लूटपाट को लेकर अनभिज्ञता जताई। उनका कहना था कि ऐसी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। हालांकि एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यात्रियों ने वारदात की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 139 पर दी थी। इस दौरान एक महिला यात्री ने बताया था कि बदमाशों ने उनकी चेन और और एक अन्य महिला का मंगलसूत्र छीन लिया है। इसके साथ ही वह कुछ लोगों का अन्य सामान भी ले गए हैं। इस दौरान सर्विलांस प्रभारी पवन कुमार जीआरपी मुरादाबाद, जयपाल सैनी, एसओ सहारनपुर संजीव कुमार, इंस्पेक्टर नवरत्न गौतम मुरादाबाद, इंस्पेक्टर ध्रुव मुरादाबाद, एसओ जीआरपी हरिद्वार अनुज सिंह, रेलवे प्रभारी एसके शिवाच, टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जिला चिकित्सालय से ऑक्सीजन पाईप चोरी करते पकड़ा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। आज दिन दहाड़े जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट में पाईप काटकर चोरी कर ले जाते दो चोरों को ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान सुभाष ने मौके पर ही दबोच लिया। जानकारी के अनुसार आज दोपहर करीब एक बजे पीआरडी जवान सुभाष ने ऑक्सीजन प्लांट के पास दो संदिग्ध युवकों को बैठा देखा। शक होने पर पास आकर देखा तो वह ऑक्सीजन प्लांट की पाईप काट रहे थे। कुछ कटे पाईप उनके पास रखे हुए थे। सुभाष ने दोनों को पकड़कर इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। पकड़े गये चोरों ने अपना नाम पता गांधी कालोनी निवासी सौरभ पुत्र गुलाबो व सुभाष कालोनी निवासी उअरमान पुत्र शफीक अहमद बताया। दोनों ही नशे के आदी हैं। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बताया जाता है कि दोनों चोर पूर्व में भी जिला चिकित्सालय में चोरी करते पकड़े जा चुके हैं। तब उन्हें हिदायत देकर छोड़ दिया गया था। दनके द्वारा एसी के कम्प्रेशर भी गायब कर दिये गया थे। आज चोरों द्वारा ऑक्सीजन प्लांट का पाईप काट देने से चिकित्सालय के यूएस वार्ड, ओटी वार्ड, प्राईवेट वार्ड आदि में ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्थायें प्रभावित रहीं।

बोध के पतन से युवाओं में बढ़ रहा है डिप्रेशन

आज से पचास-साठ साल पहले एक मानसिक रोगी को जितनी एंग्जायटी(उत्कंठा) महसूस होती थी, उतनी आज एक सामान्य युवा को महसूस होती है। और ये बात अनुमान के आधार पर नहीं है, ये आँकड़े हैं,, ये रिसर्च (अनुसंधान) है, ये डेटा(तथ्य) हैं। हम सब किसी-न-किसी तरीके से परेशान हैं, निराश हैं। कोई चिंता है, दिमाग पर बोझ है। ये बात कहने की नहीं है, ऐसा हो रहा

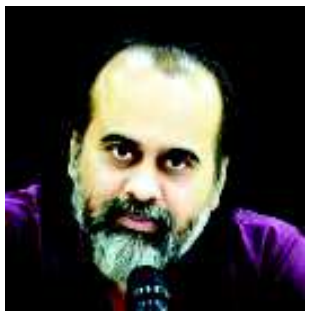

है। परीक्षण करके अगर नापा जाए, तो हम सबका यही हाल निकलेगा। कोई चीज है जो परेशान करे ही जा रही है, करे ही जा रही है। बात क्या है? दो पक्ष हैं उसके। दोनों को समझ लेंगे।पहली चीज ये है कि वैज्ञानिक क्रांति के बाद जितने विषय हो सकते हैं पाने के लिए, उनमें बेतरतीब वृद्धि आ गई है। आज से पचास साल पहले, जितनी चीजें हो सकती थीं, कि जिन्हें पाया जा सकता था, आज उससे सौ-गुना चीजें मौजूद हैं। न सिर्फ वो मौजूद हैं, वो मीडिया के माध्यम से हमारे मस्तिष्क पर प्रभाव डाल रही हैं या हर समय अपने आप को प्रदर्शित कर रही हैं। तो उपभोग करने की जितनी वस्तुएँ उपलब्ध हैं, उनमें बड़ी तेजी से वृद्धि हुई है। एक आदमी जिन चीजों को हासिल कर सकता था, वो पचास साल पहले की अपेक्षा आज सौ गुनी हैं। और न सिर्फ वो सौ गुनी हैं, वो तुम्हारे पास हर तरीके के माध्यम से पहुँच रही हैं, प्रदर्शित हो रही हैं, विज्ञापित हो रही हैं। इसका क्या मतलब है? अब एक इंसान है, वो इस कुर्सी पर बैठा हुआ है। उसको बार-बार दिख रहा है कि दुनिया में हासिल करने के लिए, उपभोग करने के लिए, भोगने के लिए इतनी चीजें हैं। और वो चीजें बार-बार, बार-बार उसके दिमाग पर लाई जा रही हैं, एक तरह से उसके दिमाग पर हमला किया जा रहा है। और ये जो इतनी चीजें हो गई हैं दुनिया में जो विज्ञान और तकनीक का उत्पादन हैं, जो बाजार का उत्पादन हैं, क्या तुम उन सबको पा सकते हो, और उनका उपभोग कर सकते हो? चीजें बढ़ती जाएँगी, पर उनके भोग की क्षमता तो नहीं बढ़ रही। न तुम्हारे पास उतना ज़्यादा पैसा है, हर किसी के पास नहीं हो सकता। और न तुम्हारे पास उतना समय है। तो बढ़ क्या रहा है फिर? तुम्हारा फ्रस्ट्रेशन बढ़ रहा है, तुम्हारी निराशा बढ़ रही है, कि -"इतनी चीजें हैं, मुझे तो मिली ही नहीं। इतना कुछ है, हर चीज के नए-नए मॉडल निकल रहे हैं। दुकानों में नए-नए आविष्कार पहुँचते जा रहे हैं। खाने, पहनने, रहने, घूमने-फिरने, हर जगह के नए-नए जरिए खुलते जा रहे हैं। और न सिर्फ मैं चूकता जा रहा हूँ, कोई और है जो मजे ले रहा है।" कैसे पता कि कोई और है जो मजे ले रहा है? "मैंने फेसबुक पर उसकी फोटो देखी।" क्योंकि जो मजे ले रहा होता है, वो मजे लेते हुए फेसबुक पर अपनी फोटो जरूर डालेगा। वो ये फोटो कभी नहीं डालेगा कि मजे लेने के बाद क्या हुआ। कभी किसी को देखा है कि वो हँसने के बाद की भी फोटो फेसबुक पर डाले? पर जब हँस रहे होते हैं, तो फोटो आ जाती है फेसबुक पर। वो फोटो देखी हजार लोगों ने, और हजार लोगों उस फोटो को देखकर कहा मैं ही रह गया बस। मैं ही पीछे रह गया, पूरी दुनिया मजे कर रही है।" किसी ने नई गाड़ी खरीदी, उसने फेसबुक पर डाल दिया। और तुम देख रहे हो अपनी पुरानी आल्टो को। और अब तुम्हारा मन कर रहा है कि ख़ "आग लगा दूँ इसमें अभी।" अब भले ही वो जो गाड़ी की फोटो डली हो, भले ही वो नकली है, जवान लोग होते हैं, जहाँ देखते हैं कि कोई इम्पोर्टेड गाड़ी सामने खड़ी है, इधर-उधर देखते हैं, और जल्दी से सेल्फी ले लेते हैं। कपड़ों की दुकानों के ट्रायल-रूम में लिखा देखा है (सेल्फी लेने की अनुमति नहीं है)'। लड़के-लड़कियाँ हैं वहाँ, देखते हैं कोई महँगी ड्रेस जिसको वो खरीद नहीं सकते, उसका ट्रायल तो कर सकते हैं। वहाँ ट्रायल करने जाएँगे, ट्रायल-रूम में सेल्फी लेंगे, और वो फोटो फेसबुक पर डाल दी जाएगी। अब दस का दिल जला दिया, धुआँ ही धुआँ उठ रहा है। बाकी काम फोटोशॉप कर देती है। बैकग्राउंड ब्लर्र कर देती है, तो पता भी नहीं चला कि ट्रायल रूम में ली है ये फोटो। तो ये जो वस्तुओं की तीव्र वृद्धि है, ये जो चीजों का फैलाव है, इसने हमको डिप्रेशन में डाल दिया है, क्योंकि हमारी कामनाएँ, हमारी अधूरी इच्छाएँ, हमारे सामने और बेबस होकर के, और निराश होकर के प्रकट हो जाती हैं ख़ "मुझे भी चाहिए, मुझे मिल नहीं रहा।" और हकीकत ये है कि तुम्हें उतना चाहिए नहीं। वो सब चीजें तुम्हें चाहिए नहीं, वो सब चीजें चाहने पर तुम्हें मजबूर किया जा रहा है। कुछ बैठे हैं शातिर, चालाक लोग, जो तुम्हें उन चीजों को चाहने पर भी मजबूर कर रहे हैं जिन चीजों की कोई अहमियत नहीं है, जिन चीजों को तुम कभी न चाहते। पर तुम्हें बड़ी होशियारी से, बड़ी चालाकी से मजबूर कर रहे हैं कि तुम उन चीजों को चाहो, और खरीदो, और उनकी जेब भरती रहे। और अधिकांशत: हम थोड़े कम समझदार लोग होते हैं। ये भी कह सकते हो, भोले लोग होते हैं। हमें उन शातिर लोगों की चलें नहीं समझ में आतीं। वो चीजें सिर्फ बनाते नहीं हैं, वो उन चीजों का बाजार भी बनाते हैं। चीज बनाना काफी नहीं होता, चीजों का बाजार भी बनाना पड़ता है। उसके लिये एक मांग तैयार करनी पड़ती है। आप एक फैक्ट्री में कोई चीज बनाएँ, इतना ही काफी नहीं है। जब आप कोई चीज बना रहे हो, तो आपको उसके साथ-साथ उसकी मांग भी बनानी पड़ेगी ,तभी तो उसे खरीदा जाएगा। और तभी तो आपको पैसे मिलेंगे। और वो मांग किसके मन में तैयार की जाती है? तुम्हारे। और हम शिकार हो जाते हैं। हर चीज की मांग हमारे मन में तैयार की जा रही है, हर चीज हम पा नहीं सकते। तो हम बहुत-बहुत निराश हो जाते हैं। वही निराशा फिर एंग्जायटी और डिप्रेशन के तौर पर सामने आती है। "मुझे ये भी चाहिए, वो भी चाहिए। मुझे भी ऐसा पार्टनर चाहिए, मुझे भी ऐसा घर चाहिए। अरे! उसको ये मिल गया, मुझे नहीं मिला। अरे! उसकी शादी हुई है, इतनी बड़ी शादी हुई है। इतने करोड़ की शादी हुई है।" और मीडिया पर फोटो ही फोटो। तुम्हें क्या लग रहा है, वो सब फोटो अनायास ही आ जाती हैं? नहीं। वो पूरा एक ओर्केस्ट्रेटेड कैंपेन (तैयार किया हुआ अभियान) होता है, क्योंकि पूरी वेडिंग इंडस्ट्री काम कर रही है। हमें लगता है कि हमें किसी की शादी दिखाई जा रही है। कितने घरों में कितनी लड़ाईयाँ होती हैं, क्योंकि शादी जिस तरह से करनी थी, वो अरमान पूरे नहीं हो पाए। और शादी कैसे करनी थी? शादी वैसे करनी थी, जैसे अभी मीडिया में देखा है। "मुझे भी वैसी ही शादी करनी है। वैसी ड्रेस पहननी है, उसी तरह का शोशा होना चाहिए। उसी तरह के चार-पाँच इवेंट होने चाहिए।" चार-पाँच इवेंट होने चाहिए, ये तुम्हें सिखाया किसने? उसने। पर हम ये बात देख ही नहीं पाते। हमने कहा, "डिप्रेशन का पहला कारण है ख़ कृत्रिम उपभोक्तावाद। जिस 'उपभोक्तावाद' की हम बात कर रहे हैं, उसका शिखर, उसका प्रतिमान, तो पश्चिम ही है न। तो ये सब वहाँ होता है, और ये सब अब हमारे सामने भी आ रहा है। हमारे सामने भी आ रहा है, ये और ज़्यादा दु:ख की बात है। हमारे पास समझ थी, बोध था। हमारे पुराने लोग भले ही हमें और कुछ न दे पाए हों, उनके पास बहुत पैसे वगैहरा न रहें हों, लेकिन एक चीज बेशकीमती वो हमारे लिए छोड़कर गए थे ख़ विजडम (समझ, बोध)। हमने उसका बड़ा अपमान किया। हम उसको पढ़ना ही नहीं चाहते। हमें लगता है उसकी कोई कीमत ही नहीं है। हम कहते हैं, "ये सब पुराने लोगों की दकियानूसी बातें हैं, हटाओ। हम किसी को देख लें कि वो बोध-साहित्य पढ़ रहा है, तो हम उस पर हँसने लग जाते हैं। हम कहते हैं, "देखो, ये आज के जमाने में कैसी बातें कर रहे हैं।" तुम ये नहीं समझते कि ये जो वो कर रहा है, वो छोटी-मोटी बात नहीं है, वो मनोविज्ञान के अग्रणी अनुसंधान की चीज है। पर वो हम जानते भी नहीं। हम कहते हैं कि पुरानी बातें हैं, सब बेकार की चीज हैं। वो बेकार नहीं हैं। उन्हीं बातों की तरफ आज भौतिक-शास्त्र भी बढ़ रहा है, उन्हीं बातों की तरफ आज न्यूरोलॉजी और मनोविज्ञान भी बढ़ रहे हैं। और वो नहीं है जिसके पास, उसकी जिंदगी बहकी- बहकी रहेगी, जैसे कोई कोहरा छाया हो, जैसे कोई नशा हो। जो दुनिया के सर्वोच्च सफल व्यक्ति भी हैं, अगर तुम उनके वृत्तान्त भी पढ़ोगे, उनकी जीवनी या आत्मकथा भी पढ़ोगे, तो तुम पाओगे, उनमें से सौ मैं से नब्बे लोग ऐसे हैं जो बोध-साहित्य के बड़े पारखी थे। गहन पाठक थे। उनमें से बहुत तो ऐसे थे, जो पश्चिम से भारत आए, क्योंकि वो अपने मन को सुलझाना चाहते थे, इससे पहले कि वो कोई व्यवसाय या उद्योग शुरु करें। पश्चिम इस बात को सराहता है, और ये बड़े खेद की बात है कि ऐसा भारतीय नहीं कर रहे। हर तरह के मनोविकार, उत्कंठा, अवसाद, यहाँ तक की जिसको तुम स्पष्टत: 'मनोरोग-सम्बन्धी विकार' कहते हो, बाइपोलर वगैरह, उनका भी बहुत सम्बन्ध उन्हीं चीजों से है। तो इन दोनों बातों के प्रति बेहद सावधान रहना होता है। गौर से देखो कि क्या तुमको आकर्षित कर रहा है। क्या चीज उपभोग करने को चालाकी से मजबूर किया जा रहा है। कोर्स अगर नहीं मिल रहा, तो खुद करो। और आज ज़्यादा आसान है, क्योंकि इंटरनेट आज ज़्यादा सुलभ है पहले की अपेक्षा। बहुत कुछ है जो तुम ऑनलाइन ही पढ़ सकते हो, 'पढ़ने' का मतलब समझते हो क्या है? 'पढ़ने' का मतलब ये है कि ख़ कोई बहुत ऊँचा आदमी जो तुमसे आमने-सामने नहीं मिल सकता, वो क्या कह गया है, वो तुमको पता चल गया है। तुम उससे मिल नहीं सकते, हो सकता है वो अब तक मर गया हो। लेकिन उसकी बात तुम तक पहुँच गई। ये अपने आप में कितनी खूबसूरत बात है। तो पढ़ो, और सही पढ़ो। और ये सब जो शिकारी घूम रहे हैं, तुम्हारा, तुम्हारी ऊर्जा, तुम्हारे समय और तुम्हारे पैसे का शिकार करने के लिए, इनके विरुद्ध सावधान रहो। हमारी जिंदगी हमारी है। हमारी जिन्दगी इसीलिए नहीं है कि हम किसी फैक्ट्री के उत्पाद का उपभोग करते रहें, ताकि जिसकी वो फैक्ट्री है, वो वैसी पाँच फैक्ट्रियाँ और डाल सके।

-आचार्य प्रशान्त, वेदांत मर्मज्ञ,लेखक

विवेकानंद इंटर कॉलेज में 35 मेधावी बच्चों की माताओं को किया सम्मानित

गरुड़(उद संवाददाता)। खोलिया विवेकानंद इंटर कॉलेज गरुड़ में स्व. कमला नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। चयनित 35 मेधावी छात्र-छात्राओं की माताओं को एक-एक हजार की नकद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर तहसीलदार निशा रानी ने कहा कि कड़ी मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि

तहसीलदार निशा रानी ने कहा कि बच्चों को आगे बढ़ाने में उनकी माताओं का विशेष योगदान होता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के स्कूल संस्कारों के साथ ही बेहतर शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश्वरी मेहता ने कहा कि विकासखंड में सर्वाधिक 35 पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र जोशी ने कहा कि बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की मेहनत से ही विद्यालय को यह सम्मान मिला है। संचालन चंद्रशेखर बड़सीला ने किया। इस दौरान बीआरपी भुवन भट्ट, वरिष्ठ आचार्या भावना रावत, श्यामाचरण पाटनी, उमेश टंगड़िया आदि उपस्थित थे।

चिलचिलाती गर्मी लोग परेशान 40 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

देहरादून। गर्मी ने प्रचंड रूप दिखान शुरू कर दिया है। शुक्रवार को राजधानी दून के तापमान ने सात साल का रिकार्ड तोड़ दिया। अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले सात साल पहले वर्ष 2017 में इस दिन अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले दिनों में गर्मी और परेशान कर सकती है। बढ़ते तापमान के चलते झुलसाने वाली गर्मी लोगों को खूब परेशान कर रही है। दिन चढ़ने के साथ शुरू हुआ गर्म हवाओं का दौर देर शाम तक जारी रहा। इसके चलते दोपहिया वाहन चालकों के साथ राहगीरों को भी समस्या का समाना करना पड़ा। इसका असर दोपहर में शहर की सड़कों पर भी देखने को मिला। आमतौर पर व्यस्त रहने वाली सड़कों पर कुछ ही वाहन देखने को मिले। वहीं, दिन में चिलचिलाती गर्मी का असर रात तक रहा और दिन ढलने के बाद भी गर्म हवाएं महसूस हो रही थीं। दून में रात का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। उधर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को भी दून का अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने के आसार हैं। केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश होने के साथ मैदानी इलाकों में झोंकेदार हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। चिलचिलाती गर्मी शनिवार को भी खूब परेशान करेगी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से 18 मई को देहरादून समेत, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, पौड़ी, नैनीताल और चंपावत जिले के कुछ इलाकों में गर्म हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही पर्वतीय जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

सभी नालों की सफाई करने की मांग

खटीमा(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहर की सफाई व्यवस्था बरसात से पहले सभी नालों की सफाई, पूरे शहर मे मच्छरों के प्रकोप से बचाव के लिए फॉगिंग एवम अन्य समस्यो को लेकर नगर पालिक के अधिशाषी अधिकारी दीपक शुक्ला से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया। एव सभी समस्याओं का तत्काल निराकरण हो इसको लेकर रूपरेखा बनाने को लेकर चर्चा की। कुछ दिनों मे उत्तराखंड मे भारी बारिश होने की संभावना है शहर की नालियां गंदगी से पटी पड़ी है, मच्छर मखियो के प्रकोप से स्थानीय जनता

परेशान है जिससे गंभीर बीमारियां फैलने की संभावना है जिसको लेकर आज भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओ ने नगरपलिका मे ईओ से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी,नगर महामंत्री मनोज वाधवा, पूर्व सभासद गोकुल ओली, महेश राणा, राहुल सक्सेना, करन यादव, सुधीर बत्रा, मेहताब रजा, सूरज धामी, मनोज शर्मा, विजय गुप्ता, जितेंद्र विश्वकर्मा, अर्पित ठाकुर, विजय कुमार, आशीष श्रीवास्तव, प्रदीप गुप्ता, विशाल अग्रवाल मोजूद रहे।

फर्जी वोट निरस्त कर निष्पक्ष करायें निकाय चुनाव: बेहड़

किच्छा विधायक ने अधिकारियों को लिखा पत्र

किच्छा(उद संवाददाता)। विधायक तिलक राज बेहड़ ने निकाय चुनाव के लिए बनाई जा रही मतदाता सूची से फर्जी वोट निरस्त करने की मांग को लेकर अधिकारियों को पत्र लिखा है। बेहड़ ने निकाय चुनाव निष्पक्ष ढंग से कराने की मांग की है। बेहड़ ने कहा कि पूरे प्रदेश में इन दिनों निकाय चुनाव से पूर्व नई मतदाता सूची बनायी जा रही है जिसमें बहुत से नए मतदाताओं के नाम जोडे जाने के साथ-साथ फर्जी मतदाताओं के नाम भी बड़ी संख्या में जोड़े जा रहे है ये शिकायत उनकी विधानसभा से कई स्थानीय क्षेत्रवासियों ने की है, तथा अन्य जगहों पर भी इस तरह के मामले सामने आये है। बेहड़ ने कहा यदि ये फर्जी मतदाता सूची से नहीं हटाये जाते है तो उत्तराखंड में निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं हो पायेगा।बेहड़ ने राज्य निर्वाचन आयुक्त चन्द्र शेखर भट्ट, कुमायूं आयुक्त तथा जिलाधिकारी उधम सिंह नगर को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा है कि नगर

निगम,नगर पालिका/नगर पंचायतों में चुनाव से पूर्व तैयार हो रही वोटर लिस्ट में फर्जी तरीके से अधिकारियों एवं बीएलओं द्वारा फर्जी मतदाता बनाये गये है। आस-पास के प्रदेशों से आये हुए लोग जिनके स्थायी निवास अन्य प्रदेशों में है। उत्तराखंड के अन्दर काम करते हैं। ऐसे लोगों को मतदाता सूची में शामिल किया गया है। उत्तराखंड के अन्दर ऐसे बहुत सारे सरकारी व गैर सरकारी संस्थान है जिनमें छात्र- छात्राओं की भारी संख्या हॉस्टलों में रहते है या अन्य पीजी हॉस्टलों में रहकर लोग पढ़ाई कर रहे है। ऐसे बहुत सारे आये लोग जो उत्तराखण्ड के निवासी नहीं है ऐसे बहुत से नाम गलत तरीके से फर्जी किरायेनामे बनाकर नाम जोड़े गए है और जोड़े जा रहे है। बेहड़ ने राज्य निर्वाचन आयोग से मांग की है कि राज्य के अन्दर निष्पक्ष चुनाव हो सके इसके लिए निष्पक्ष मतदाता सूची भी आवश्यक है। इसके लिए निष्पक्ष मतदाता सूची तैयार कराई जाये ।

चाकू के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। गश्त के दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो बदमाशों को दबोचकर तलाशी में उनके कब्जे से एक एक चाकू बरामद किया। आवश्यक जानकारी जुटाने के बाद गिरफ्तार बदमाशों का पुलिस द्वारा शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत चालान कर दिया गया। पता चला है कि टांडा उज्जैन चौकी पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने शुगर फैक्ट्री मोड़ के समीप एक खोखे के पास संदिग्ध हालत में चहलकदमी करते हुए सैनिक कालोनी नीझड़ा निवासी अमन कुमार पुत्र विनोद कुमार को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच लिया। इसी तरह एक अन्य मामले में करबला मैदान के पास से पुलिस ने गश्त के दौरान मोहल्ला बांसफोड़ान निवासी आकाश कश्यप पुत्र अजय कश्यप को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच कर उसके भी कब्जे से एक चाकू बरामद किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्व श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री भूपाल सिंह (कोड U0320), बसंत सिंह पुत्र स्व श्री लछम सिंह (कोड U0321), गोपाल सिंह पुत्र स्व श्री महेंद्र सिंह (कोड U0331), नवीन पुत्र स्व श्री बलवंत सिंह (कोड U0341), बीरेंद्र सिंह पुत्र स्व श्री रणजीत सिंह (कोड U0428), देवेन्द्र सिंह मनराल पुत्र श्री हर सिंह मनराल (कोड U0499), अर्जुन सिंह पुत्र स्व श्री चौन सिंह (कोड U0501), रविंद्र सिंह नेगी पुत्र श्री साधो सिंह (कोड U0504), सुरेंद्र सिंह पुत्र श्री शाकम सिंह बिष्ट (कोड U0515), मनोज चंद्र पुत्र श्री लोकमणि शर्मा (कोड U0534),

आप को निर्देशित किया जाता है कि प्रबंधन द्वारा प्रेषित द्वितीय/अन्तिम कारण बताओ नोटिस (जाँच आख्या सहित संग्लन) आप द्वारा प्रस्तुत लोकल/स्थाई पते पर भेजा गया था जो कारखाने को वापस प्राप्त हो गया है। अतः व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाता है कि द्वितीय/अन्तिम कारण बताओ नोटिस (जाँच आख्या सहित) प्राप्त करने हुते दिनांक 20.05.2024 के प्रातः 09:00 बजे से प्रातः11:00 बजे तक कारखाने के प्रवेश द्वार पर उपस्थित होकर द्वितीय/अन्तिम कारण बताओ नोटिस (जाँच आख्या सहित) प्राप्त करके अपना लिखित स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें।

कारखाना प्रबन्धक
मै0 लुकास टीवीएस लिमिटेड,
प्लॉट नं 55, सेक्टर 11
टाटा वेंडर पार्क , सिडकुल, रुद्रपुर , उधम सिंह नगर ,
उत्तराखण्ड -263153

ऑटो लिफ्टरों ने उड़ाई दो और मोटरसाईकिलें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात ऑटो लिफ्टरों ने अलग अलनग स्थानों से दो मोटरसाईकिलों चोरी कर लीं। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में अजीम पुत्र एनुल वार्ड 19 खेड़ा ने कहा है कि उसकी मोटरसाईकिल संख्या यूके 06एटी 5879 उसकी पत्नी के नाम पर दर्ज है। 6 मई को उसका पुत्र सलमान मोटरसाईकिल को लेकर साप्ताहिक लेक पैराडाइज झील में खरीददारी करने गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल झील के मुख्य गेट के पास खड़ी की और खरीददारी करने चला गया। करीब आधा घंटा बाद वापस आया तो बाईक वहां पर नहीं थी। बाईक की काफी खोजबीन की परन्तु कोई पता नहीं चल पाया। वहीं ठाकुर नगर, ट्रांजिट कैम्प निवासी संजीत सरकार पुत्र वीरेन्द्र ने बताया कि 13 मई को प्रातः 9 बजे वह अपनी मोटर साईकिल संख्या यूके 06 एएक्स 1241 से किच्छा बाईपास रोड़ विशाल ट्रेडर्स के निकट मैसर्स बी 7 इण्डिस्ट्रीयल स्टेट कम्पनी कार्य करने के लिये गया था। उसने अपनी मोटर साईकिल कम्पनी के गेट के बाहर खड़ी कर लॉक लगा दी। दोपहर बाहर आकर देखा तो बाइक चोरी कर ली गयी है। पुलिस ने वाहन चोरी के दोनों मामलों की रपट दर्ज कर ली है।

पेज एक का शेष...

प्रदेश में अभी नहीं...साथ ही प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत का कार्यकाल भी अक्टूबर में पूर्ण हो रहा है। सूत्रों की माने तो सरकार प्रदेश की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव सितम्बर माह में और पंचायत चुनाव को अपने निर्धारित समय पर अक्टूबर में ही कराने के मूढ़ मे है। जिसके चलते लोक सभा चुनाव की आचार संहिता के चलते टले निकाय चुनाव को सरकार अभी और आगे टालने के इरादे में है ताकि उपचुनाव और पंचायती चुनाव को समय पर कराये जा सकें। सूत्रों की मानें तो सरकार पंचायत चुनाव के साथ या उसके आस-पास निकाय चुनाव कराये जाने के विकल्प पर भी मंथन कर रही है। बहरहाल इतना तो तय है कि प्रदेश में सितम्बर से पहले निकाय चुनाव नही होने वाले हैं। उपचुनाव और पंचायती चुनाव के चलते निकाय चुनाव की सम्भावना अक्टूबर माह में अधिक नजर आ रही है।

हादसे में दो की...जबकि रामनगर की ओर से यह अज्ञात वाहन हल्द्वानी की ओर जा रहा था इसी बीच गैबुआ के पास दोनों वाहनो में आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार में सवार पांचों लोगों को उपचार के लिए रामनगर सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने इंदिरा नगर बनभूलपुरा हल्द्वानी निवासी नवाज तथा पीली कोठी हल्द्वानी निवासी उपेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। साथ ही हल्द्वानी की रहने वाली घायल योगिता,रूपा व मीनू उपचार के लिए अस्पताल भर्ती किया गया। मीनू की हालत गंभीर होने के बाद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। योगिता व रूप की हालत सामान्य होने के चलते उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी। वरिष्ठ उप निरीक्षक नयाल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को देने के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सपना की कार्रवाई की गई है। घटना से मृतकों के परिवार में कोहराम मचा है।

पीएसी कर्मी से ...के बाद इग्नोर कर दिया। उसी दिन मेंव्हाट्सएप से भी मैसेज आया जिनके द्वारा बताया गया कि उसकी हार्वे नार्मन नाम की कम्पनी है जो बिडिंग करती है। वो कम्पनी के फाइनैंसियल एडवाइजर हैं। उसने कम्पनी से जुड़कर मुनाफा कमाने की बात कही। जिस पर सहमति के उपरान्त उसने एक लिंक के माध्यम से एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया जिसमें और भी कई लोग जुड़े हुए थे। उक्त ग्रुप में चली डिसकसन के उपरान्त मेरे द्वारा दिये गये लिंक के माध्यम से अपना नाम व मोबाइल नंबर से वेलेट बनाया। उसी के माध्यम से उनके भरोसे में आकर उसने 28 अप्रैल को उनके द्वारा दिये गये एकाउण्ट नंबर में 10 हजार रुपये गूगल पे किया जिस पर उसे 10400 रुपये वापस मिले। 2 मई 2024 को दिये एकाउण्ट नंबर में 25 हजार रुपये डाले जिसके एवज में उसे 29 हजार रुपये वापस आये। फिर उनके द्वारा 30 हजार रुपये डालने को कहा गया। जिस पर उसने उक्त रूपये डाल दिये। जिसके बदले उनके द्वारा 35500 रूपये रुपये वापस डाले जिसमें से 5500 रुपये निकाल लिये। 30 हजार रुपये वॉलेट में ही थे। उसके बाद उसे 70 हजार रुपये और डालने को कहा गया जो गूगल पे के माध्यम से डाले। जिसके बाद उसके द्वारा पुनः 90,520 रुपये डालने को कहा गया तो उसने 7 मई को उनके द्वारा दिये गये अकाउण्ट में डाले गये। जिसके उपरान्त उसके वॉलेट में कुल 2,48,473 रुपये दिखा रहा था। परन्तु उसे विड्रोल करने से पहले 2,91,526 रुपये और डालने के लिए कहा गया। जिस पर उसे ऑनलाईन धोखाधड़ी का अहसास हुआ। मोहित का कहना है कि अज्ञात लोगो द्वारा फर्जी फाइनैन्सियल एडवाइजर बनकर उसके साथ कम्प्यूटर संसाधनों का प्रयोग कर छलकपटपूर्वक कुल 1,90,520 रुपये की ऑनलाईन धोखधड़ी की गयी है। पुलिस ने मामले की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां के सामने ...चल पाया। शोर सुनकर आस-पास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्रित हुए। मूल रुप से बरेली निवासी हरिद्वारी करीब तीन माह से यहां किराये की झोपडी में रह रहा था। उसकी दो बेटियां और सबसे छोटा बालक सूरज हाल ही में करीब 15 दिन पहले अपने गांव तहसील फरीदपुर गांव ढढोली नवादा बरेली, उत्तर प्रदेश से यहां श्रीनगर पहुंचा था। बच्चे का पिता फेरी लगाकर सामान बेचने का काम करता है। गुलदार के हमले के बाद से बच्चे की माँ भगवान देवी व परिवार के अन्य सदस्यों का बुरा हाल है। वन विभाग के रेंजर ललित मोहन नेगी ने बताया कि क्षेत्र में दो पिंजरे व चार ट्रेप कैमरे लगा दिए गए है।

जिला बार के नवनिर्वाचित.. उपाध्यक्ष कृष्ण चन्द्र, उपाध्यक्ष कलेक्ट्रेट विष्णु कुमार मण्डल,सचिव सर्वेश कुमार सिंह, उपसचिव विकास तिवारी,कोषाध्यक्ष पावेल कठायत, लेखापरीक्षक आशीष त्रिपाठी,पुस्तालय अध्यक्ष गौरव मिड्डा के साथ वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अखिलेश कुशवाह व अमित छाबड़ा,तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य जय प्रकाश गंगवार, परविन्दर सिंह व संजीत बढ़ई को माननीय न्यायाधीश आलोक वर्मा द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई। समाचार लिखने तक शपथ ग्रहण समारोह जारी था। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व मेयर रामपाल,महेश बब्बर, सुरेन्द्र गिरधर,राजेन्द्र चन्द, चरनजीत, गुरबाज सिंह, केएन मिश्रा, डीडी गुणवन्त, मनीष सिंह,चंचल बाला,धमेन्द्र कुमार शर्मा,सुखदर्शन सिंह, धमेन्द्र सिंह, रविन्द्र जीत सिंह,सुबेग सिंह, डीएन जायसवाल,गिरीश चतुर्वेदी, प्रमोद विष्ट, वीरेन्द्र गोस्वामी,खड़क सिंह, रागिनी मिश्रा,राधे श्याम शुक्ला, अभय सिंह, लक्ष्मी नारायण पठवा, हबीब अहमद, तौफीक अहमद, संजीव फौगाट, रवि रस्तोगी, मुकेश मिश्रा आदि अधिवक्ता एवं जनप्रतिनिधि के साथ एसडीएम मनीष बिष्ट और सीओ सिटी निहारिका भी मौजूद थी।

शिक्षक की पिटाई से ...जिससे पुत्र के पैर में नीला पड़ गया है। जब पुत्र ने घर आकर बताया तो प्रिंसीपल सतीश अरोरा से शिकायत की। वो कहने लगे कि हम इस शिक्षक से बहुत परेशान हो गयें हमने कई बार इनको समझाया पर यह नही समझते है। पुत्र ने बताया कि शिक्षक उसे 4 दिन से लगातार मार रहे है धमकी दे रहे कि अगर घर पर बतायेगा तो फेल कर दूंगा। क्लास में बैठने नहीं दूंगा। पुत्र के टेस्ट चल रहे है उक्त शिक्षक ने कोई टेस्ट नहीं दिलवाये। कहा कि शिक्षक ने उसके पुत्र को मारपीट करके क्लास से निकाल दिया तो वो सीधे घर पर आया घर आते ही बेहोश हो गया। एक टुक टुक चालक उसके पुत्र को वाहन में बैठा कर लाया उसने बताया तुम्हारा पुत्र बार बार बेहोश हो रहा था। निशा सागर ने शिक्षक के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

शराब की दुकान...चल रही शराब दुकान को कही अन्य जगह पर स्थानांतरित की जाए। ताकि लोगो को किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो एवं कानून व्यवस्था में अव्यवस्था उत्पन्न न हों यदि उक्त मदीरा की भट्टी को अन्यत्र स्थानान्तरित नहीं किया गया तो कालोनी के समस्त परिवार की महिलाएँ बच्चो द्वारा मदिरा की दुकान के समक्ष बैठकर अनिश्चितकालीन विरोध करने हेतु बाध्य होंगे। आबकारी अधिकारी ने बताया कि कालोनी गेट से शराब की दुकान को हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दौरान माया, नीतू, सतवंत कौर, ज्योति, भागीरथी, पुष्पा, दीपा, प्रीति, रीना, राजेंद्र सिंह, मनीष गुप्ता, प्रमोद कुमार, माधव सिंह, भोला दत्त, नंदगोपाल, रंजीत सिंह, जगदीश, उमेश चंद्र, सत्येंद्र, जीवन सिंह, चंदन सिंह, भुवन चंद्र आदि मौजूद रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

कई बड़े 'सवालों के घेरे' में उधम सिंह नगर का 'श्रम भवन'

घटना का वीडियो डिलीट कराने में श्रम विभाग की दिलचस्पी क्यों ?
नशे में कहीं विभाग के काले राज उजागर तो नहीं कर दिए अनु सेवक ने ?
विभाग ने क्यों नहीं की घटना की एफआईआर,लीपापोती की कोशिश तो नहीं ?
श्रमिकों के तमाम मामले लटके,कब होगी श्रम भवन में सहायक श्रम आयुक्त की तैनाती ?

-अर्श-

रुद्रपुर। निर्विवाद रूप से रुद्रपुर को उत्तराखंड की औद्योगिक राजधानी केवल और केवल इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहां उस सिडकुल की स्थापना की गई है, जिसमें कई नामी गिरामी कारखाने सहित तमाम छोटे बड़े कारखाने भी हैं ।इन कारखानों में एक बड़ी संख्या में श्रमिक कार्य करते हैं। वैसे तो श्रमिकों के लिए हितों की रक्षा करने एवं उन्हें उद्योग जगत के शोषक पंजे से बचाने के लिए जिला मुख्यालय में सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय की स्थापना की गई है, लेकिन जिला मुख्यालय में स्थापित सहायक श्रम कार्यालय इन दिनों श्रमिकों को न्याय दिलाने के लिए नहीं बल्कि अन्य कई विडंबनाओ के कारण अच्छा खासा चर्चा में है। याद दिलाना होगा कि बीते रोज श्रम कार्यालय में पदस्थ अनु सेवक महेश नैनवाल ने नशे की हालत में हंगामा खड़ा कर दिया और सहायक श्रम आयुक्त सहित कई अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट की। घटना से श्रम कार्यालय में हड़कंप मच गया। कुछ देर में ही मौके पर सिडकुल पुलिस चौकी का स्टाफ घटनास्थल पहुंचा और हंगामा करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को अपने साथ चौकी ले गया और कुछेक घंटे चौकी में रखने के बाद उसे छोड़ दिया ।उक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बारे में बताया जा रहा है कि यह काफी वरिष्ठ कर्मचारी है लेकिन नशे का आदी है और ऐसी घटनाओं को कई दफे अंजाम दे चुका है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी मजदूर साथियों ने बताया कि प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महेश कथित रूप से अवकाश कटौती कर दिए जाने से नाराज था। इसी बात पर उसकी एएलसी से बहस शुरू हुई ,जो गाली गलौज और मारपीट तक पहुंच गई।इस बीच पूरे कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई कर्मचारी विशेष रूप से महिला कर्मचारी वहां से भागते नजर आए।इस दौरान कर्मचारी लगातार चिल्ला- चिल्ला कर कहता रहा कि यह सब भ्रष्ट अधिकारी हैं, एक-एक की पोल पट्टी मैं खोलूंगा, इनका पूरा काला चिट्ठा मेरे पास मौजूद है। कंपनी के एचआर इस ऑफिस में केवल पांच मिनट के लिए आते हैं और मोटा पैसा देकर जाते हैं, इसलिए आप लोग सिर्फ उसकी सुनते हो जो रिश्वत देकर जाते हैं ,गरीब मजदूर की नहीं सुनते। यह श्रम भवन नहीं घूसखोरी का अड्डा है आदि। यह सारा घटनाक्रम वीडियो में भी दर्ज हैं। घटना के वक्त उक्त कर्मचारी इतने गुस्से में था कि अन्य अधिकारियों ,जिसमें श्रम

प्रवर्तन अधिकारी बाजपुर और डाटा ऑपरेटर सहित तमाम कर्मचारी भी थे, के साथ बुरी तरीके से मारपीट की। इतना ही नहीं उसने तमाम उपकरणों व वाहन को भी तोड़ डाला ।हालांकि घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है, लेकिन विभाग द्वारा उपरोक्त मामले को दबाने और लीपा पोती की कोशिश तथा वीडीओ डिलीट करवाना, यह संदेह पैदा करता है कि कहीं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने नशे की हालत में विभाग में चल रहे किसी गोरख धंधे से पर्दा तो नहीं उठा दिया ? बताना होगा कि घटना के वक्त मौके पर मौजूद श्रमिकों एवं श्रम विभाग के कर्मचारियों ने पूरी घटना की वीडियो ग्राफी की थी, जिसे बाद में श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा डिलीट करवा दिया गया। इस समूचे घटनाक्रम से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि विभागीय अधिकारियों ने उपरोक्त कर्मचारी के विरुद्ध कोई एफआईआर क्यों नहीं कराई?। लिहाजा मामले की तह तक पहुंचा जाना बेहद जरूरी है और यह तथ्य भी सामने आना निहायत जरूरी है कि श्रम विभाग पूरे मामले को दबाने की कोशिश अखिर क्यों कर रहा है? उधर श्रम विभाग में दबे स्वर में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि उपरोक्त मामला अधिकारियों द्वारा कर्मचारी कर्मचारी में भेद करने और अपमानित करने तथा गुटबाजी की परिणिति है ।सूत्रों के अनुसार श्रम विभाग के कर्मचारियों में व्यवस्था के प्रति व्यापक रोष है और आपस में एक दूसरे के प्रति द्वेष भी बढ़ रहा है तथा विभाग में गुटबाजी भी चरम पर है। कुछ कर्मचारियों की माने तो विभाग में खुलकर पक्षपात होता है।किसी को बढ़ावा दिया जाता है और किसी के जायज और जरूरी मामले को भी तवज्जो नहीं दी जाती है। सो, मोटे तौर पर ऐसा लगता है कि मौजूदा विवाद की जड़ कुल मिलाकर यहीं पर थी और मानसिक रूप से पीड़ित उक्त कर्मचारी ने नशे की हालत में अपने दिल का गुबार और भड़ास निकल डाली। बहरहाल उपरोक्त मामला श्रम विभाग के आंतरिक अनुशासन को तो कटघरे में खड़ा ही करता है, साथ ही इस तथ्य पर विचार करने को विवश करता है कि श्रम विभाग में अनुशासनहीनता की ताजा घटना कहीं उच्च अधिकारी के पदस्थ ना होने के कारण तो नहीं हुई ? उल्लेखनीय कि इस श्रम विभाग में लंबे समय से कोई भी सक्षम अधिकारी पदस्थ नहीं है। उप श्रमयुक्त कार्यालय होने के बावजूद उप श्रम आयुक्त की नियमित तैनाती नहीं है।मौजूदा सहायक श्रम आयुक्त अभी एकदम नए हैं और ना तो उन्हें तमाम मामलों की जानकारी है और ना ही वेतन, बोनस, ग्रेच्युटी पेंशन जैसे अहम मुद्दों पर 2 साल तक सुनवाई का अधिकार ही है। ऐसे में लंबे समय से श्रमिकों के तमाम मामले लटके हुए हैं। निस्तारण न होने के कारण मजदूर पीड़ित है और परेशान भी । सक्षम अधिकारियों की तैनाती की मांग श्रमिकों द्वारा एक अरसे से की जाती रही है ,लेकिन सरकार के कान में जू नहीं रेगी। अभी हाल ही में श्रमिक संयुक्त मोर्चा उधम सिंह नगर ने श्रम सचिव को पत्र लिखकर उप श्रम आयुक्त की तैनाती और सक्षम सहायक श्रमायुक्त की नियुक्ति की अपील एक बार फिर की थी, लेकिन अभी तक उसपर कोई सुनवाई नहीं हुई। बताना होगा कि कुछ दिनों पहले श्रम भवन में पदस्थ सहायक श्रम आयुक्त का अचानक ही तबादला कर दिया गया था। श्रमिकों के मध्य यह चर्चा आम है कि सहायक श्रम आयुक्त का तबादला एकाएक इसलिए हो गया था, क्योंकि स्थानीय उद्योगपतियों उनसे पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे । यह भी चर्चा है कि मौजूदा सहायक श्रम आयुक्त सरकार के विश्वासपात्र हैं और उन्होंने विशेष रूप से इन्हें यहां पर प्रमोट करके बिठाया गया है । बहरहाल श्रम भवन में सक्षम अधिकारी न होने के कारण ज्यादातर श्रम विवाद या तो लंबित हैं या फिर फटाफट श्रम न्यायालय भेज दिए जाते हैं। समाधान वार्ताएं महज औपचारिकता बन कर रहे गई हैं और मजदूरों के साथ सरकारी छलावा जारी है।

जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन प्रकाश पांडे ने लिया संन्यास!

2010 में वियतनाम से गिरफ्तार हुआ था पीपी ,अब बन गया योगी प्रकाशनाथ
काठमांडू के नाथ संप्रदाय के आचार्य दंडीनाथ महाराज ने पीपी को दिलाई दीक्षा

अल्मोड़ा/हल्द्वानी(उद संवाददाता)। आखिरकार उत्तराखंड की अलमेड़ा जेल में पिछले कई वर्षों से बंद अंडरवर्ल्ड डान प्रकाश पांडे उर्फ पीपी ने सन्यास लेकर भगवा चोला धारण कर लिया है और वह अब योगी प्रकाशनाथ बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार काठमांडू के नाथ संप्रदाय के आचार्य धर्मदत्त जी दंडीनाथ महाराज का दावा है कि उन्होंने दो महीने पहले अल्मोड़ा जेल के अंदर जेल प्रशासन की निगरानी में प्रकाश पांडे को संन्यास की दीक्षा दिलाई है। भगवा वस्त्र व कंठा भी पहनाया। दंडीनाथ ने अपने एक्स पर भी इसकी जानकारी साझा की है। जरायम की दुनिया में कदम रखने के बाद पीपी ने नैनीताल, अल्मोड़ा, हल्द्वानी व रानीखेत में अवैध शराब, लीसा तस्करी की थी। अवैध कामों में कमाई बढ़ी तो पीपी का दुस्साहस भी बढ़ता चला

गया। मुंबई में रहकर वह डान बनना चाहता था। 90 के दशक में वह मुंबई पहुंच गया। यह वह दौर था, जब देश बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद फैली सांप्रदायिक हिंसा की आग में जल रहा था। इस बीच मुंबई में ब्लास्ट हुए, जिसका जिम्मेदार दाउद को बताया गया। जब दाऊद व छोटा राजन अलग हो गए थे। इसी बीच प्रकाश पांडे उर्फ पीपी की मुलाकात छोटा राजन से हुई और उसके डान बनने का सफर शुरू हो गया था। वर्ष 2010 में पीपी वियतनाम से गिरफ्तार हो गया था। सितारगंज, पौड़ी आदि के बाद वह अल्मोड़ा जेल में बंद है। 17 मार्च को उसने अल्मोड़ा जेल प्रशासन को पत्र लिखकर जीवन में किए अपराधों पर पश्चाताप कर संन्यासी बनने की अनुमति मांगी थी। इधर नाथ संप्रदाय के आचार्य धर्मदत्त जीदंडीनाथ महाराज ने दावा किया है कि पीपी को 28 मार्च को हर्षण योग युक्त अमृत वेला में जिला जेल पीपी की संन्यास दीक्षा संपन्न हुई। इस दौरान पीपी को भगवा वस्त्र व कंठा धारण कराया गया। दीक्षा लेने के बाद वह योगी प्रकाशनाथ बन गया। सारे अनुष्ठान जेल प्रशासन की निगरानी में हुए। आचार्य धर्मदत्त जी महाराज ने इसकी जानकारी अपने एक्स पर भी साझा की है,जिसमें एक फोटो में पशुपति शरणागति परिचय पत्र लिखा है। सन्यासी बने प्रकाशनाथ की भगवा वस्त्र में फोटो भी है। उनके एक्स पर 286 फालो अर हैं। 272 लोगों को उन्होंने फालो किया है।

जंगल में युवक का शव मिलने से फैली सनसनी

शक्ति फार्म(उद संवाददाता)। गुरुग्राम गांव के निकट जंगल में शुक्रवार को एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया । शव की शिनाख्त गुरुग्राम निवासी चंदन साना पुत्र दुलाल साना के रूप मे हुई। शुक्रवार दोपहर गुरुग्राम गांव के शिवतला मंदिर के निकट जंगल मे गांव का कोई व्यक्ति मवेशी चराने गया था। जहां झाड़ियों से दुर्गंध आने पर नजदीक जाकर देखा । झाड़ियां में एक युवक का शव दिखाई दिया । उसने गांव पहुंचकर लोगों को इसकी जानकारी दी। किसी ने शक्ति फार्म पुलिस चौकी में इसकी सूचना दे दी। सूचना पर चौकी प्रभारी जगदीश तिवारी पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। शव काफी फूल गया था। तथा शव से काफी दुर्गंध आ रही थी।

मृतक के बांये पैर का पंजा किसी जंगली जानवर ने खा लिया था। शव का चेहरा भी पहचाना नहीं जा रहा था ।मौके पर पहुंचे मृतक के भाई त्रिलोक ने मृतक के पहने कपड़े व चप्पल देखकर चंदन साना पुत्र दुलाल साना के रूप में शिनाख्त की । त्रिलोक ने पुलिस को बताया कि उसका भाई पिछले आठ दिन से घर से गायब था। घरवाले उसे अपने रिश्तेदारों के यहां तलाश किया लेकिन उसका पता नहीं चला। त्रिलोक ने पुलिस को बताया चंदन नशे का आदी था। चौकी प्रभारी जगदीश तिवारी ने बताया शव सात-आठ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा। मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटा था,कुछ सालों पहले मृतक के बड़े भाई का भी शव डाम मे मिला था।